website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 13 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 24 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## रूस ने भारत-बांग्लादेश तनाव पर दिया बयान, शांति कायम रखने का किया आग्रह

मॉस्को। बांग्लादेश इस वक्त हिंसाओं के दौर से गुजर रहा है। राजधानी ढाका में पिछले सप्ताह से हिंसा जारी है। ये घटनाएँ छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हुईं, जिसमें कुछ इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हिंसक प्रदर्शन किए। इस दौरान भारत भी निशाने पर आया। सुरक्षा को देखते हुए भारत ने चटगांव स्थित इंडियन वीज़ा एप्लीकेशन सेंटर में वीज़ा सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी थीं। जवाब में बांग्लादेश ने भी अपने कांसुलर और वीज़ा संचालन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को लेकर रूस ने बयान जारी किया है।

**भारत के समर्थन में रूस की प्रतिक्रिया**

बांग्लादेश में रूसी राजदूत अलेक्जेंडर जी. खोडिन ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश को जितनी जल्दी हो सके भारत के साथ संबंध सुधारने चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से रोकें और किसी समाधान का रास्ता निकाले। ढाका स्थित रूसी दूतावास में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में खोडिन ने कहा कि बांग्लादेश में कुछ ही दिनों बाद चुनाव होने हंक और इसके लिए देश का माहौल अनुकूल होना जरूरी है। उन्होंने कहा, "जितनी जल्दी हो, उतना बेहतर है।" रूसी राजदूत ने स्पष्ट किया कि रूस द्विपक्षीय संबंधों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता, लेकिन मानता है कि बढ़ता तनाव आगामी स्तर पर समझदारी से निपटने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि भारत-बांग्लादेश संबंध आपसी भरोसे और विश्वास पर आधारित होने चाहिए।

**भारत-बांग्लादेश के संबंधों का इतिहास**

भारत और बांग्लादेश के रिश्तें ऐतिहासिक हैं। उनकी जड़ें बांग्लादेश की आजादी तक फैली हैं। आजादी के समय भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसे संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान (बंगबंधु) के परिवार ने सराहा। उनकी बेटी और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी भारत के साथ दोस्ताना संबंध बनाए रखे। हालांकि, पिछले साल जुलाई-अगस्त में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई और अंतरिम सरकार की बागडोर शेख यूनुस ने संभाल ली।

## मुफ्ती शमाइल नदवी: जावेद अख्तर के साथ 'ईश्वर के अस्तित्व' बहस में सामने आए इस्लामी स्कॉलर

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हाल ही में एक अनोखी बहस आयोजित हुई, जिसमें मशहूर शायर और गीतकार जावेद अख्तर और इस्लामिक स्कॉलर मुफ्ती शमाइल नदवी ने ईश्वर के अस्तित्व पर चर्चा की। इस बहस में आस्था, तर्क, धर्म और नैतिकता जैसे गंभीर मुद्दों पर बातें हुईं, जो सोशल मीडिया तक चर्चा का विषय बन गईं।

**बहस का मुख्य मुद्दा**

बहस का मुख्य सवाल था – क्या ईश्वर का अस्तित्व है? जावेद अख्तर ने तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी बात रखी, जबकि मुफ्ती शमाइल नदवी ने धार्मिक ग्रंथों और दर्शन के आधार पर जवाब दिया। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि एक छोटी घड़ी भी बिना बनाने वाले के नहीं बन सकती, तो इतनी विशाल और जटिल दुनिया बिना किसी रचयिता के कैसे संभव हो सकती है। इस तर्क ने बहस को और गहराई दी।

**कौन हैं मुफ्ती शमाइल नदवी?**

मुफ्ती शमाइल नदवी एक युवा इस्लामिक स्कॉलर, धर्मगुरु और वक्ता हैं। उनका जन्म उत्तर प्रदेश में एक धार्मिक परिवार में हुआ, जहां उन्हें बचपन से ही धार्मिक शिक्षा और संस्कार मिले। बचपन से ही उनका झुकाव धर्म, दर्शन और अध्ययन की ओर रहा।

**शिक्षा और डिग्री**

मुफ्ती शमाइल नदवी ने अपनी प्रारंभिक और उच्च इस्लामी शिक्षा दारुल उलूम नदवतुल उलेमा, लखनऊ से प्राप्त की है। यह संस्थान भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में इस्लामी शिक्षा के लिए जाना जाता है। यहां से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के नाम के साथ "नदवी" लगाया जाता है। उन्होंने कुरान, हदीस, फिक़्ह (इस्लामी कानून) और इस्लामी दर्शन का गहन अध्ययन किया है। उनकी शिक्षा का प्रभाव उनके भाषणों और तर्कों में साफ दिखाई देता है।

**पहले भी सुर्खियों में रह चुके हैं**

मुफ्ती शमाइल नदवी पहले भी आधुनिक समाज, धर्म और आस्था के टकराव जैसे मुद्दों पर अपनी बेबाक राय के कारण चर्चा में रहे हैं। उनके विचारों से सहमत और असहमत दोनों तरह के लोग हैं, लेकिन यह तय है कि वे लोगों को सोचने पर मजबूर करते हैं।

## BJP कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का राहुल गांधी पर हमला, 'जर्मनी में भी देश को अपमानित किया'

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन मंगलवार (23 दिसंबर, 2025) को पटना पहुंचे और एयरपोर्ट से भव्य रोड शो निकाला। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला।

**राहुल गांधी पर निशाना**

नितिन नबीन ने कहा, "बहुत लोग पार्ट टाइम पॉलिटिक्स करते हैं... राहुल गांधी टाइप... देश में रहते हैं, थोड़ी बात करते हैं और फिर विदेश चले जाते हैं... अभी जर्मनी की जमीन पर गए थे, वहां भी जाकर देश को अपमानित कर रहे हैं।"

**शीर्ष नेतृत्व को जताया आभार**

कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद नितिन नबीन आज पहली बार पटना आए। उन्होंने सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पाटलिपुत्र की भूमि हमेशा नई ऊर्जा और नई क्रांति देती रही है।

**भाजपा की चुनावी जीत का जिक्र**

नबीन ने बताया कि महाराष्ट्र, गोवा और अरुणाचल प्रदेश में निकाय चुनावों में बीजेपी का परचम लहरा चुका है। अब यह जीत बंगाल से केरल तक फैलेगी और हर जगह भगवा लहराएगा। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के कथन का हवाला देते हुए कहा कि "जब पंचायत से संसद तक भगवा लहराएगा, तब हमारा स्वर्णिम युग आएगा।"

**राजनीति में लंबी तैयारी की जरूरत**

नितिन नबीन ने कहा कि राजनीति में शॉर्टकट की कोई जगह नहीं है। इसमें लॉन्ग टर्म समय देना जरूरी है। बीजेपी ऐसी पार्टी है जो बूथ लेवल से केंद्रीय नेतृत्व तक सदस्य को आगे बढ़ाती है। उन्होंने सभा में मौजूद हर कार्यकर्ता को तहे दिल से प्रणाम और नमन किया।

## कैबिनेट ने ई-वेस्ट पार्क बनाने को दी मंजूरी, प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को काबू में करने के लिए सरकार ने एक अहम फैसला लिया है। होलांबी कलां में बनने वाले ई-वेस्ट पार्क को मंगलवार (23 दिसंबर) को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने मीडिया से बातचीत में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ई-वेस्ट पार्क करीब 11 से 11.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा और इससे प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

**ई-वेस्ट पार्क को कैबिनेट की हरी झंडी**

पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि होलांबी कलां में बनने वाले ई-वेस्ट पार्क को आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। यह दिल्ली का पहला ई-वेस्ट प्लांट होगा, जो जल्द ही काम शुरू करेगा। उन्होंने बताया कि यह पार्क प्रदूषण नियंत्रण के सर्वोत्तम मानकों का पालन करेगा। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में 1000 से अधिक वॉटर बॉडीज हैं, जिन्हें दोबारा ठीक करने की जरूरत है। इनमें से दिल्ली सरकार ने एमसीडी के साथ मिलकर लगभग 160 वॉटर बॉडीज का कायाकल्प किया है, जिनमें से 134 सिर्फ दिल्ली सरकार के अंतर्गत आती हैं।

**DPCC से मिले फंड और आगे की योजना**

मंजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को 19 करोड़ रुपये दिए हैं और अब 100 करोड़ रुपये और देने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि इस साल के भीतर 100 फीसदी वॉटर बॉडीज को फिर से ठीक करने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि GRAP-4 के दौरान शुरू किया गया PUCC अभियान 'नो PUC, नो फ्यूल' के नारे के साथ आगे भी जारी रहेगा। जांच के दौरान 12 PUCC सेंटर गड़बड़ी करते पाए गए, जिन्हें सस्पेंड कर दिया गया है और जल्द ही ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा।

**ई-वेस्ट पार्क क्या होता है?**

ई-वेस्ट पार्क वह स्थान होता है, जहां खराब या बेकार इलेक्ट्रॉनिक सामान लाया जाता है। यहां पुराने मोबाइल, टीवी, फ्रिज, लैपटॉप जैसे उपकरणों को वैज्ञानिक तरीके से रीसायकल किया जाता है, ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

**दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर स्थिति**

गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली में पिछले कई दिनों से वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर बना हुआ है। मंगलवार (23 दिसंबर) को दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 450 के पार दर्ज किया गया, जिसे बेहद गंभीर श्रेणी में रखा जाता है।

## योगी सरकार का बड़ा कदम, पंचायत चुनावों के लिए अनुपूरक बजट में 200 करोड़ का प्रावधान

यूपी। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक बजट में आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सफल और सुचारू आयोजन के लिए 200 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया है। पंचायती राज विभाग से जुड़े इस प्रस्ताव का उद्देश्य चुनावी तैयारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

**ग्रामीण लोकतंत्र को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल**

योगी सरकार के इस कदम को ग्रामीण लोकतंत्र को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार ने न केवल चुनावी प्रक्रिया, बल्कि पंचायतों से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की भी रूपरेखा तैयार की है।

**पंचायतों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर**

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर सरकार पंचायतों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रही है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के लिए अनुपूरक बजट 2025-26 के अंतर्गत 200 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि का भी प्रावधान किया गया है।

**ग्रामीण हिस्सों में पंचायत उत्सव भवन या बारात घर के निर्माण पर भी योगी सरकार का विशेष ध्यान**

प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण हिस्सों में पंचायत उत्सव भवन या बारात घर के निर्माण पर भी योगी सरकार का विशेष ध्यान है। इसके लिए प्रतीकात्मक राशि के रूप में एक लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। आवश्यक धनराशि की व्यवस्था बचत मद से की जाएगी।

**ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक गतिविधियों को मिलेगा नया स्थान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया होगी अधिक सुदृढ़**

वहीं, जिला पंचायत शाहजहांपुर में भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है। योगी सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से पंचायत स्तर पर प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक गतिविधियों को नया स्थान मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ होगी। अनुपूरक बजट से ग्रामीण विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

## उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर

यूपी। उत्तर प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मंगलवार सुबह कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी बेहद कम हो गई और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई शहरों में वाहन हेडलाइट्स जलाकर धीमी गति से चलते नजर आए। राजधानी लखनऊ में घने कोहरे ने सड़कों पर विजिबिलिटी को शून्य के करीब पहुंचा दिया। ठंडी हवाओं ने ट्रैफिक को धीमा कर दिया। इसी तरह संभल शहर पर घने कोहरे की चादर बिछी रही, जबकि शीत लहर ने मौसम को और ठंडा बना दिया। इससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। ठंड से बचने के लिए लोग आग का सहारा ले रहे हैं। वाराणसी में सुबह 8 बजे के आसपास घना कोहरा छाया रहा, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि ठंड ने प्रचंड रूप ले लिया है। कोहरे के कारण बाइक चलाने में भी भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि वे ठंड से बचाव के लिए बेहद गर्म कपड़े पहन रहे हैं और घरों से बाहर कम निकलना हो रहा है। सुबह घने कोहरे ने पूरे अयोध्या शहर को भी ढक लिया, राम मंदिर परिसर के आसपास भी विजिबिलिटी बेहद कम रही। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कतें आईं। हालांकि, श्रद्धालुओं ने सरकार की तरफ से की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ठंड के बीच श्रद्धालुओं को आने-जाने और दर्शन के लिए सुविधाएं दी जा रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर और आसपास के क्षेत्र में कड़ाके की ठंड और शीत लहर कहर बरपा रही है।

## PM मोदी से मिले नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह 7 बजे लोक कल्याण मार्ग पर ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। पीएम मोदी ने दो फोटो शेयर कीं – एक में वह नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर के साथ खड़े हैं, जबकि दूसरी में वह बैठकर किसी मुद्दे पर चर्चा करते दिख रहे हैं। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "आज सुबह 7, लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। हमारी कई मुद्दों पर अच्छी बातचीत हुई, जिसमें खेल भी शामिल था!" इस मुलाकात में खेल जगत और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर खुलकर बातचीत हुई। नीरज चोपड़ा की उपलब्धियों और खेल के भविष्य को लेकर यह चर्चा काफी सकारात्मक और प्रेरक रही।

## भारत-अफगानिस्तान के बीच स्वास्थ्य सहयोग मजबूत, अफगान मंत्री ने किया भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मौलवी नूर जलाल जलाली ने 16 से 21 दिसंबर तक भारत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

**भारत यात्रा के दौरान अफगान स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के साथ की द्विपक्षीय बैठक**

भारत यात्रा के दौरान अफगान स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस अवसर पर भारत ने अफगानिस्तान के प्रति निरंतर मानवीय सहायता और स्वास्थ्य सेवा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें दवाओं की दीर्घकालिक आपूर्ति पर विशेष रूप से जोर दिया गया। इस दौरान कैंसर की दवाओं और टीकों का प्रतीकात्मक हस्तांतरण भी किया गया, जो अफगान जनता की चिकित्सा आवश्यकताओं के प्रति भारत के सतत समर्थन को दर्शाता है।

**भारत स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दवाओं, टीकों और 128-स्लाइस सीटी स्कैनर की एक बड़ी खेप अफगानिस्तान भेज रहा है**

अफगानिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दवाओं, टीकों और 128-स्लाइस सीटी स्कैनर की एक बड़ी खेप भेजी जा रही है। अफगान मंत्री ने विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह से भी मुलाकात की। बैठक में दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं, स्वास्थ्य पर एक संयुक्त कार्य समूह के गठन, अफगानिस्तान में कैंसर उपचार सुविधाओं की स्थापना तथा अफगान डॉक्टरों के क्षमता निर्माण के लिए भारत से चिकित्सकों की एक टीम भेजने जैसे विषयों पर चर्चा की।

**अफगानिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली की मजबूती के लिए किया विचार-विमर्श**

उन्होंने आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और विनियमन से जुड़े ज्ञान के आदान-प्रदान तथा सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया, जिससे अफगानिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली को और मजबूती मिल सके।

**भारत की तृतीयक स्वास्थ्य प्रणाली को समझने के उद्देश्य से अफगान प्रतिनिधिमंडल ने एम्स का किया दौरा**

भारत की तृतीयक स्वास्थ्य प्रणाली को समझने के उद्देश्य से अफगान प्रतिनिधिमंडल ने एम्स सहित कुछ अन्य अस्पतालों का दौरा किया। इसके अलावा जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय स्थित यूनानी चिकित्सा उत्कृष्टता केंद्र का तकनीकी दौरा भी कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) तथा अस्पताल सेवा परामर्श निगम लिमिटेड (एचएससीसी) के साथ भी बैठकें कीं।

**प्रतिनिधिमंडल ने बिजनेस सत्र में भी लिया भाग**

इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) और फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ आयोजित इंटरैक्टिव बिजनेस सत्र में भी भाग लिया।

## जर्मनी में राहुल गांधी का बयान: भारत की चुनावी प्रणाली पर सवाल, दो विज़न के टकराव की बात

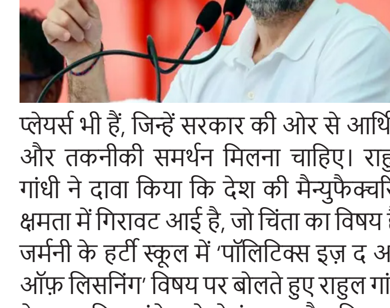

बर्लिन। जर्मनी दौरे पर गए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत से लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हैं, लेकिन उतनी ही बड़ी संख्या में लोग उनकी विचारधारा और भारत को लेकर उनके विज़न से सहमत नहीं हैं। राहुल गांधी के मुताबिक, उन्हें लगता है कि यह विज़न असफल होगा और इससे देश में कई तरह की समस्याएं पैदा होंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे समाज में तनाव बढ़ेगा और भारतीय आपस में टकराएंगे। उन्होंने कहा कि यह भारत के दो अलग-अलग विज़न के बीच टकराव है और वे इसके खिलाफ संघर्ष करेंगे। राहुल गांधी ने नोटबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि इस फैसले ने देश के MSME सेक्टर को व्यवस्थित तरीके से बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह छोटे और मझोले कारोबारों के कैश फ्लो पर सीधा हमला था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में बड़े बिज़नेस के लिए जगह है, लेकिन साथ ही अलग-अलग स्तर पर काम करने वाले अन्य प्लेयर्स भी हैं, जिन्हें सरकार की ओर से आर्थिक और तकनीकी समर्थन मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने दावा किया कि देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में गिरावट आई है, जो चिंता का विषय है। जर्मनी के हर्टी स्कूल में 'पॉलिटिक्स इज़ द आर्ट ऑफ़ लिसनिंग' विषय पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीते हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी लगातार भारत में चुनावों की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाती रही है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने भारत में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तथ्यों के साथ यह दिखाया कि कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव जीता था, जबकि महाराष्ट्र चुनावों को लेकर उन्हें निष्पक्षता पर संदेह है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के संस्थागत ढांचे पर लगातार हमला हो रहा है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में एक ब्राज़ीलियाई महिला का नाम 22 बार दर्ज पाया गया, लेकिन इस पर चुनाव आयोग की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत की चुनावी मशीनरी में गंभीर समस्याएं हैं। वहीं, राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत की आंतरिक बातें विदेशों में जाकर करते हैं। पूनावाला के मुताबिक, राहुल कभी कहते हैं कि भारत का लोकतंत्र खत्म हो चुका है और कभी दावा करते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश की संस्थाओं, सेना, अर्थव्यवस्था और भारत की ताकत का अपमान करते हैं और वे "भारत का अपमान करो और चीन का गुणगान करो" वाले एजेंडे पर काम करते रहते हैं।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

## आरबीआई के नए आंकड़े और भारत की असमान आर्थिक हकीकत

आरबीआई के नए आंकड़े एक बार फिर भारत की आर्थिक सच्चाइयों को हमारे सामने नंगे रूप में रख देते हैं। वर्ष 2024-25 के लिए जारी राज्यवार जीडीपी और उसके आधार पर प्रति-व्यक्ति एनएसडीपी (आय) के आंकड़े सिर्फ संख्याएं नहीं हैं, बल्कि यह बताते हैं कि देश के भीतर विकास कितना असमान है और किस दिशा में हमारी नीतियां कमजोर पड़ रही हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक बिहार 9.9 लाख करोड़ रुपये की जीएसडीपी और महज 69,312 रुपये की प्रति व्यक्ति आय के साथ देश का सबसे गरीब राज्य बना हुआ है। यह स्थिति नई नहीं है, लेकिन हर साल इसका दोहराया जाना इस बात का संकेत है कि विकास के मौजूदा मॉडल से कुछ राज्यों को लगातार बाहर रखा जा रहा है। दूसरी ओर, दिल्ली 4.93 लाख रुपये की प्रति व्यक्ति आय के साथ सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शीर्ष पर है। यह अंतर केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि आर्थिक संरचना, उद्योग, सेवाओं और अवसरों के असमान बंटवारे को भी उजागर करता है। बड़े राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र 45.30 लाख करोड़ रुपये की जीएसडीपी के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल क्रमशः दूसरे से पांचवें स्थान पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि उत्तर प्रदेश जीएसडीपी के मामले में भले ही तीसरे स्थान पर हो, लेकिन प्रति व्यक्ति आय के मामले में वह बिहार के बाद सबसे नीचे के राज्यों में शामिल है। यही हाल मध्य प्रदेश का भी है। इसका साफ मतलब है कि कुल उत्पादन बड़ा होने के बावजूद आम आदमी तक उसका फायदा नहीं पहुंच पा रहा। इस असमानता को समझने के लिए भारत की आर्थिक संरचना को गहराई से देखना जरूरी है। भारत में दशकों से असंगठित क्षेत्र के विश्वसनीय आंकड़ों का अभाव रहा है। सांख्यिकी विभाग मानता है कि कृषि को छोड़कर असंगठित क्षेत्र का योगदान जीडीपी में 30 प्रतिशत से ज्यादा है। लेकिन इस क्षेत्र का आकलन अक्सर संगठित क्षेत्र के विकास के अनुमान के आधार पर किया जाता है। यानी अगर किसी राज्य में बड़ी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट या आईटी कंपनी का उत्पादन तेजी से बढ़ता है, तो यह मान लिया जाता है कि उसी अनुपात में असंगठित क्षेत्र, जैसे रेहड़ी-पटरी, छोटे दुकानदार, कारीगर या दिहाड़ी मजदूर भी आगे बढ़े होंगे। यहीं सबसे बड़ी समस्या है। उत्तर भारत के कई राज्य औद्योगिक रूप से पिछड़े हैं। वहां बड़े उद्योग, निर्यात आधारित मैन्युफैक्चरिंग या हाई-वैल्यू सर्विस सेक्टर सीमित हैं। ऐसे में यह मान लेना कि संगठित क्षेत्र की थोड़ी-सी चमक से असंगठित क्षेत्र की हालत भी सुधर गई होगी, एक खतरनाक भ्रम है। हकीकत यह हो सकती है कि सब्जी बेचने वाला, रिक्शा चालक या छोटा कारीगर उसी जगह खड़ा है, जहां वह दस साल पहले था, बल्कि महंगाई के कारण उसकी हालत और खराब हो गई हो। आरबीआई के आंकड़े इसलिए अहम हैं क्योंकि वे हमें चेतावनी देते हैं कि केवल जीएसडीपी बढ़ने से विकास नहीं होता। असली सवाल यह है कि प्रति व्यक्ति आय कितनी बढ़ रही है और रोजगार के अवसर कहां से आ रहे हैं।

# बांग्लादेश निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, अराजकता, सत्ता का शून्य और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर गहराती अनिश्चितता

### -सड़क की राजनीति, अंतरिम शासन की सीमाएं और भारत के सामने उभरती सुरक्षा व कूटनीतिक चुनौतियां

बांग्लादेश इस समय अपने हालिया इतिहास के सबसे नाज़ुक और खतरनाक दौर से गुजर रहा है। जिस देश को दक्षिण एशिया की एक उभरती हुई आर्थिक कहानी, राजनीतिक स्थिरता और क्षेत्रीय सहयोग का उदाहरण माना जा रहा था, वही आज सड़कों पर उतरते उग्र आंदोलनों, हिंसा, सत्ता के शून्य और गहरे असमंजस की स्थिति में खड़ा दिखाई देता है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या केवल एक आपराधिक घटना नहीं थी, बल्कि वह उस भीतर-ही-भीतर सुलगते असंतोष की चिंगारी साबित हुई, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एक सीमित दायरे में शुरू हुआ आक्रोश अब शासन, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सामाजिक संतुलन और बांग्लादेश के क्षेत्रीय संबंधों के लिए एक व्यापक चुनौती बन चुका है। आने वाले हफ्तों और महीनों में लिए जाने वाले फैसले यह तय करेंगे कि बांग्लादेश फिर से संतुलन और स्थिरता की ओर लौटेगा या लंबे समय तक अनिश्चितता, टकराव और अव्यवस्था के दौर में फिसल जाएगा।

**अंतरिम शासन और उसकी सीमाएं**

मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाला अंतरिम प्रशासन आज असाधारण दबाव में काम कर रहा है। यह दबाव केवल सड़कों से नहीं आ रहा, बल्कि काफी हद तक उसकी अपनी नीतियों और फैसलों का नतीजा भी है। एक ओर उसके सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की संवैधानिक जिम्मेदारी है, तो दूसरी ओर अगले वर्ष की शुरुआत में प्रस्तावित चुनावों की ज़मीन तैयार करने की चुनौती। इन दोनों के बीच संतुलन साधना किसी भी सरकार के लिए कठिन होता है, लेकिन अंतरिम व्यवस्था के लिए यह और भी जटिल हो जाता है। अवामी लीग पर प्रतिबंध और उसके शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक परिदृश्य से अनुपस्थिति ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। बांग्लादेशी राजनीति के एक

केंद्रीय स्तंभ को अचानक हटा दिया गया, लेकिन उसके स्थान पर कोई ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी नहीं की गई, जिसे समाज के बड़े हिस्से की स्वीकृति हासिल हो। नतीजतन जो खालीपन पैदा हुआ, उसे सड़कों ने भर दिया। और जब सड़कों पर राजनीति हावी हो जाती है, तो संस्थाएं कमजोर पड़ने लगती हैं।

**सड़क बनाम संस्था की राजनीति**

बांग्लादेश अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। मौजूदा उथल-पुथल उसे उस रास्ते पर ले जा सकती है, जहां असंतोष आधारित राष्ट्रवाद, भावनात्मक नारेबाज़ी और टकराव की राजनीति को बढ़ावा मिलता है। यह रास्ता सुनने में भले ही तत्काल लोकप्रिय लगे, लेकिन इतिहास गवाह है कि यह किसी भी समाज को स्थिरता नहीं दे पाता। इसके उलट, बांग्लादेश ने हाल के वर्षों में जो तरक्की की थी, वह व्यावहारिकता की ज़मीन पर टिकी थी—राजनीतिक स्थिरता, बाहरी दुनिया से जुड़ाव, क्षेत्रीय सहयोग और विकास पर लगातार ध्यान। रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक संकेतकों तक, बांग्लादेश ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की थी। यह सब तभी संभव हुआ था, जब शासन सड़कों के शोर से नहीं, बल्कि संस्थाओं के जरिए संचालित हो रहा था। जमीनी विरोध-प्रदर्शनों के साथ लगातार तालमेल बिठाकर शासन चलाना न तो टिकाऊ है और न ही समझदारी भरा। जनआंदोलनों को अंततः किसी निष्कर्ष पर पहुंचना होता है—या तो वे संस्थागत ढांचे में ढलते हैं, या फिर अराजकता में बदल जाते हैं। जितनी देर इस क्षण को टाला जाता है, संस्थागत सत्ता को बहाल करना उतना ही कठिन हो जाता है।

**नेतृत्व का असली अर्थ**

नेतृत्व का अर्थ जनभावनाओं को समझना है, उनमें बह जाना नहीं। एक जिम्मेदार नेतृत्व वही होता है जो गुस्से और पीड़ा को दिशा दे, न कि उसे और भड़काए। बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति में यही सबसे बड़ी कमी दिखाई देती है। सरकार और आंदोलन, दोनों के बीच संवाद का अभाव है, और इस खाली जगह को अफवाहें, उकसावे और कट्टर स्वर भर रहे हैं। यह स्थिति न केवल बांग्लादेश के भीतर सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि और निवेश के माहौल पर भी असर डाल रही है। विदेशी निवेशक और व्यापारिक साझेदार अनिश्चितता से घबराते हैं, और राजनीतिक अस्थिरता लंबे समय तक बनी रही तो आर्थिक उपलब्धियां भी खतरे में पड़ सकती हैं।

**भारत-विरोधी स्वर और कूटनीतिक चुनौती**

आज बांग्लादेश की सड़कों पर भारत-विरोधी नारे सुनाई दे रहे हैं। कूटनीतिक परिसरों के सामने प्रदर्शन हो रहे हैं, और सोशल मीडिया पर भारत को लेकर तीखी बयानबाज़ी आम हो गई है। यह घटनाक्रम स्वाभाविक रूप से नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। हालांकि अगस्त 2024 से अब तक भारत ने संयम बरता है। बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति पर सार्वजनिक टिप्पणी से परहेज किया गया है और शांत, पर्दे के पीछे होने वाले कूटनीतिक संवाद पर भरोसा रखा गया है। यह भारत की उदासीनता नहीं, बल्कि रणनीतिक धैर्य है। किसी भी तरह की अति-प्रतिक्रिया न केवल हस्तक्षेप के आरोपों को मजबूत करेगी, बल्कि बांग्लादेश के भीतर मौजूद भारत-विरोधी तत्वों को और हवा दे सकती है। भारत को यह समझना होगा कि पड़ोस में स्थिरता उसके अपने राष्ट्रीय हितों से सीधे जुड़ी है, लेकिन स्थिरता थोप कर नहीं लाई जा सकती। उसका रास्ता केवल सतर्क कूटनीति, संवाद और हालात पर पैनी नज़र रखने से होकर गुजरता है।

**बाहरी तत्वों का खतरा**

इतिहास बताता है कि किसी भी देश में राजनीतिक अस्थिरता के दौर ऐसे बाहरी तत्वों को आकर्षित करते हैं, जो अव्यवस्था में ही फलते-फूलते हैं। दक्षिण एशिया में यह कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान का खुफिया तंत्र अतीत मंप ऐसे मौकों का लाभ उठाता रहा है, जब पड़ोसी देशों में अस्थिरता पैदा हुई हो। इस संदर्भ में एक गंभीर खतरा यह है कि बांग्लादेश की धरती से भारत के खिलाफ उग्रवादी या आतंकवादी गतिविधियां फिर से सिर उठा सकती हैं। एक समय था, जब पूर्वोत्तर भारत में सक्रिय कई उग्रवादी संगठनों को बांग्लादेश में पनाह और समर्थन मिलता था। पिछले डेढ़ दशक में भारत-बांग्लादेश के घनिष्ठ सहयोग ने इस प्रवृत्ति पर काफी हद तक लगाम लगाई थी। लेकिन अगर मौजूदा अराजकता लंबी खिंचती है और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़ता है, तो सुरक्षा संबंधी धारणाएं नाटकीय रूप से बदल सकती हैं। तब भारत के सामने कठोर प्रतिक्रियाओं से जुड़े जटिल सवाल खड़े होंगे—जिनसे वह फिलहाल बचना चाहता है।

**सीमा प्रबंधन की अहमियत**

इसी संदर्भ में भारत-बांग्लादेश सीमा का प्रबंधन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह सीमा केवल भौगोलिक रेखा नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास, सहयोग और स्थिरता का प्रतीक भी रही है। इसे एक स्थिरता पैदा करने वाले संपर्क-बिंदु के रूप में काम करना चाहिए, न कि गलतफहमियां बढ़ाने वाले क्षेत्र के रूप में। शांत रवैया, सीमा सुरक्षा बलों के बीच प्रभावी समन्वय और उकसावे वाले संकेतों से परहेज इस समय अनिवार्य है। छोटी-छोटी घटनाएं भी यदि गलत ढंग से संभाली गईं, तो वे बड़े कूटनीतिक संकट का रूप ले सकती हैं। दोनों देशों को यह समझना होगा कि सीमा पर तनाव बढ़ने से किसी का भला नहीं होगा।

**संस्थाओं की भूमिका और भविष्य का रास्ता**

आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि कौन सत्ता में होगा, बल्कि यह है कि शासन किस तरह का होगा। क्या वह संस्थाओं पर आधारित होगा या सड़कों की मनमर्जी पर? क्या वह कानून के राज को मजबूत करेगा या भावनात्मक दबावों के आगे झुक जाएगा? न्यायपालिका, चुनाव आयोग, सिविल सेवा और सुरक्षा संस्थानों की भूमिका इस मोड़ पर निर्णायक होगी। यदि ये संस्थाएं अपनी स्वायत्तता, विश्वसनीयता और पेशेवराना रवैया बनाए रख पाती हैं, तो बांग्लादेश इस संकट से उबर सकता है। लेकिन अगर वे भी राजनीतिक खींचतान का हिस्सा बन गईं, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। भारत के लिए यह स्थिति एक चेतावनी भी है और एक सबक भी। पड़ोस की राजनीति कितनी तेजी से बदल सकती है, यह बांग्लादेश का उदाहरण साफ दिखाता है। इसलिए केवल सरकारों से नहीं, बल्कि समाज के व्यापक तबकों से संवाद बनाए रखना भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए।

# मनरेगा में बदलावों पर बहस: क्या नई व्यवस्था काम के अधिकार को मजबूत करने के बजाय उसे सीमित कर रही है?

### -केंद्रीकरण, बढ़ता वित्तीय बोझ और फंड आधारित काम व्यवस्था मनरेगा की मूल भावना को कमजोर करती है

मनरेगा यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रामीण समाज की आजीविका, सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा हुआ एक बुनियादी सामाजिक अनुबंध है। इसका मूल विचार "काम का अधिकार" है—ऐसा अधिकार, जो नागरिक को यह भरोसा देता है कि अगर वह काम करना चाहता है, तो राज्य उसे न्यूनतम मजदूरी पर काम उपलब्ध कराएगा। यही वजह है कि मनरेगा को अक्सर दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में गिना जाता है। मनरेगा की अवधारणा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य उस सिद्धांत से प्रेरित है, जिसमें काम के अधिकार को बुनियादी मानवीय हक माना गया है। संयुक्त राष्ट्र ने भी काम के अधिकार को मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में शामिल किया है। श्रम कानून, उचित मजदूरी, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां—ये सभी उसी सोच का हिस्सा हैं कि कोई भी समाज अपने नागरिकों को बेरोजगारी और भूख के भरोसे नहीं छोड़ सकता। इस पृष्ठभूमि में मनरेगा में हाल के वर्षों में किए गए बदलावों को केवल प्रशासनिक सुधार कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता; इनका सीधा संबंध इस अधिकार की आत्मा से है।

**मनरेगा की मूल संरचना और उसकी ताकत**

मनरेगा की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसने काम के अधिकार को कागज से निकालकर जमीन पर उतारने की कोशिश की। कानून के तहत ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे अपने इलाके की जरूरतों के मुताबिक कामों की पहचान करें, उनकी सूची बनाएं और मांग आने पर लोगों को काम उपलब्ध कराएं। यदि तय समय के भीतर काम नहीं मिलता, तो बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान भी था। यह प्रावधान राज्य को जवाबदेह बनाता था। समय के साथ मनरेगा में कई सुधार भी हुए। डिजिटलीकरण, जॉब कार्ड का ऑनलाइन रिकॉर्ड, जीपीएस टैगिंग, हाजिरी की डिजिटल निगरानी और मजदूरी का सीधे बैंक

खातों में भुगतान—इन सबका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना था। इन सुधारों से यह सुनिश्चित करने की कोशिश हुई कि मजदूर को उसका हक समय पर और बिना कटौती के मिले। कई राज्यों ने मनरेगा को अन्य ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचा योजनाओं के साथ जोड़ा। तालाबों का निर्माण, खेत-तालाब, मिट्टी संरक्षण, ग्रामीण सड़कें, जल-संरक्षण संरचनाएं—इन कार्यों से न केवल रोजगार पैदा हुआ, बल्कि टिकाऊ परिसंपत्तियां भी बनीं, जिनका फायदा लंबे समय तक गांवों को मिलता रहा। इस तरह मनरेगा रोजगार और विकास—दोनों का साधन बन सका।

**नए बदलाव और उभरती चिंताएं**

हाल के समय में मनरेगा के ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, वे इस विकेंद्रीकृत और मांग-आधारित मॉडल से हटने का संकेत देते हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि अब कामों का चयन और दायरा पहले की तुलना में अधिक केंद्रीकृत होता जा रहा है। चुनिंदा क्षेत्रों और सीमित कार्यों पर जोर देने से स्थानीय जरूरतों की पहचान कमजोर पड़ सकती है। हर गांव, हर क्षेत्र की समस्याएं अलग होती हैं—कहीं जल संकट है, कहीं मिट्टी कटाव, कहीं खेती से जुड़ी समस्याएं। अगर कामों की सूची ऊपर से तय होगी, तो जमीनी हकीकत से उसका तालमेल बैठना मुश्किल हो जाएगा। खेती के मौसम के दौरान मनरेगा कार्यों को सीमित या बंद करने की प्रवृत्ति भी चिंता का विषय है। पहले मनरेगा ने खेत-मजदूरों की मोलभाव की क्षमता को मजबूत किया था। जब गांव में एक वैकल्पिक रोजगार का विकल्प मौजूद होता है, तो निजी खेतों में मजदूरी दरें गिरती नहीं हैं। मनरेगा ने अप्रत्यक्ष रूप से कृषि मजदूरी को एक न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। अगर खेती के मौसम में काम बंद कर दिया गया, तो मजदूरों की यह सौदेबाजी शक्ति कमजोर होगी और वे फिर से कम मजदूरी स्वीकार करने को मजबूर हो सकते हैं।

**राज्यों पर बढ़ता वित्तीय बोझ**

नई व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़ा है। पहले सामग्री लागत में राज्यों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम—करीब 10 प्रतिशत—थी। अब इसे बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। यह बदलाव कागज पर भले ही "राज्यों की भागीदारी" बढ़ाने के रूप में दिखे, लेकिन व्यवहार में यह कई राज्यों के लिए गंभीर समस्या खड़ी कर सकता है। जीएसटी लागू होने के बाद कर-संग्रह का बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार के हाथ में चला गया है। राज्यों के पास अपने स्वतंत्र संसाधन सीमित हो गए हैं। ईंधन पर वैट और शराब पर उत्पाद शुल्क जैसे कुछ ही स्रोत बचे हैं, जिनसे वे अपने खर्च पूरे करते हैं। ऐसे में गरीब और सीमित संसाधनों वाले राज्य मनरेगा में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी वहन करने में असमर्थ हो सकते हैं। इसका सीधा असर मजदूरी भुगतान पर पड़ेगा—या तो भुगतान में देरी होगी, या फिर काम ही कम दिए जाएंगे। मनरेगा में मजदूरी भुगतान में देरी पहले से ही एक बड़ी समस्या रही है। कई बार मजदूरों को हफ्तों,□□ महीनों इंतजार करना पड़ता है। अगर राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला जाएगा, तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है। मजदूर के लिए समय पर मजदूरी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सम्मान का सवाल भी है।

**"फंड की उपलब्धता" की शर्त और अधिकार की भावना**

एक और चिंताजनक पहलू वह शर्त है, जिसमें कहा गया है कि काम "फंड की उपलब्धता" के अनुसार दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि काम की कोई गारंटी नहीं रहेगी; वह पैसे पर निर्भर हो जाएगी। यह सोच मनरेगा की मूल भावना के बिल्कुल उलट है। काम का अधिकार इस बात पर आधारित है कि अगर नागरिक काम मांगता है, तो राज्य उसे काम देगा—पैसा राज्य की जिम्मेदारी है, शर्त नहीं। जब काम को फंड की उपलब्धता से जोड़ा जाता है, तो अधिकार धीरे-धीरे योजना में बदल जाता है।

# वेस्ट बैंक में फौजी कानून का साया: इजराइली बस्तियों का विस्तार, जमीन पर कब्जा और फ़िलिस्तीनी भविष्य पर गहराता संकट

### -गाजा युद्ध की आड़ में वेस्ट बैंक में बढ़ता दमन, हिंसा, बेदखली और दो राष्ट्र सिद्धांत पर हमला

एक तरफ़ बीते दो साल से गाज़ा में जारी युद्ध ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच रखा है, दूसरी तरफ़ वेस्ट बैंक में हालात खामोशी से लेकिन तेज़ी से बदल रहे हैं। यह बदलाव किसी विकास या शांति की दिशा में नहीं, बल्कि क़ब्ज़े, दमन और बेदख़ली की ओर बढ़ रहा है। वेस्ट बैंक आज उस दौर से गुजर रहा है जहाँ फौजी कानून आम नागरिक जीवन पर हावी है और नियम–कायदों का पालन नाममात्र का रह गया है।

वेस्ट बैंक: भावी फ़िलिस्तीन की बुनियाद

वेस्ट बैंक फ़िलिस्तीनियों के लिए सिर्फ़ ज़मीन का टुकड़ा नहीं है, बल्कि उनके भावी राष्ट्र की बुनियाद है। बेथलहम, जेरिको, रामल्ला, हेब्रोन (अल-खलील) जैसे शहर ऐतिहासिक, धार्मिक और राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी लंबे समय से मानता रहा है कि दो राष्ट्रों के सिद्धांत के तहत वेस्ट बैंक और गाज़ा मिलकर एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य का निर्माण करेंगे। लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।

**7 अक्टूबर के बाद बदली रणनीति**

7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमले के बाद नेतन्याहू सरकार ने सिर्फ़ गाज़ा में ही नहीं, बल्कि वेस्ट बैंक में भी अपनी नीति को और सख़्त कर दिया। इस हमले को बहाना बनाकर यहूदी बस्तियों के विस्तार की मुहिम को तेज़ कर दिया गया। सरकारी संरक्षण और सेना की मौजूदगी में वेस्ट बैंक के भीतर और आसपास नई यहूदी बस्तियाँ बसाई जा रही हैं। पुरानी बस्तियों का दायरा बढ़ाया जा रहा है। यह सब उस ज़मीन पर हो रहा है जिसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून फ़िलिस्तीनी इलाक़ा मानता है।

**फ़ौजी कानून: लोकतंत्र की जगह बंदूक का शासन**

औपचारिक रूप से वेस्ट बैंक पर फ़िलिस्तीनी अथॉरिटी (PA) का प्रशासन है, लेकिन हकीकत यह है कि पूरे इलाके में इजराइली सेना की सत्ता चलती है। यहाँ आम नागरिकों पर फौजी कानून लागू है। इसका मतलब है: सेना जब चाहे तलाशी ले सकती है, बिना वारंट गिरफ़्तारी हो सकती है, लंबी पूछताछ की जा सकती है, कर्फ़्यू लगाया जा सकता है, सड़कें और रास्ते बंद किए जा सकते हैं, फौजी कानून के तहत नागरिक अधिकार लगभग समाप्त हो जाते हैं। खेतों तक पहुँच भी जुर्म बन गई वेस्ट बैंक की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा कृषि पर टिका है। लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि किसानों को अपने ही खेतों तक जाने से रोका जा रहा है। खेतों के रास्तों पर फेंसिंग खड़ी कर दी गई है, सुरक्षा चौकियाँ बना दी गई हैं कई जगहों पर खेती योग्य ज़मीन को "सुरक्षा क्षेत्र" घोषित कर दिया गया है नतीजा यह कि फ़िलिस्तीनी किसान अपनी ज़मीन से बेदख़ल हो रहे हैं। उनकी रोज़ी–रोटी छीनी जा रही है।

**सड़कों पर ताले, गांवों का घेराव**

इजराइली सेना और नए बसने वालों ने फ़िलिस्तीनी गांवों तक जाने वाली सड़कों को ब्लॉक कर दिया है। कहीं कंक्रीट के बैरियर हैं, कहीं मिट्टी के ढेर, तो कहीं सेना की चौकियाँ।

इसका असर: बीमार लोग अस्पताल नहीं पहुँच पाते, बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, व्यापार ठप हो जाता है, आपात स्थिति में मदद नहीं मिलती, पूरा गांव एक तरह से खुली जेल में बदल जाता है।

**नए बसने वालों की हिंसा और सेना की चुप्पी**

वेस्ट बैंक में यहूदी नए बसने वालों द्वारा की जा रही हिंसा कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के महीनों में इसमें अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। घरों पर हमले, खेतों में आगज़नी, मवेशियों की हत्या, लोगों को धमकाना, मस्जिदों और संपत्ति को नुकसान, सब कुछ खुलेआम हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात

यह है कि इजराइली सेना अक्सर मूकदर्शक बनी रहती है।

**क़ानून दो, इंसाफ़ शून्य**

यहाँ एक कड़वा सच सामने आता है— नए बसने वालों के लिए एक क़ानून है, फ़िलिस्तीनियों के लिए दूसरा। नए बसने वालों की गिरफ़्तारी बहुत कम, हिंसा के बावजूद सज़ा न के बराबर, दूसरी ओर फ़िलिस्तीनियों को मामूली शक पर जेल सेना जब चाहे: युवाओं को उठा लेती है, घंटों पूछताछ करती ह, बिना मुकदमे जेल में डाल देती है, इंसाफ़ की तराजू साफ़ तौर पर एक तरफ़ झुकी हुई है।

**ज़मीन हथियाने की सरकारी मुहिम**

इजराइली सरकार ने हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर ज़मीन को 'सरकारी भूमि' घोषित करना शुरू किया है। यह वही ज़मीन है जिस पर पीढ़ियों से फ़िलिस्तीनी रह रहे हैं या खेती कर रहे हैं। काग़ज़ी कार्रवाई के ज़रिये: ज़मीन छीनी जाती है, फिर उसे बस्तियों को सौंप दिया जाता है, फ़िलिस्तीनियों को बेदख़ल कर दिया जाता है यह एक क़ानूनी लबादे में किया गया क़ब्ज़ा है।

**नेतन्याहू सरकार और दो राष्ट्र सिद्धांत**

बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार खुलकर फ़िलिस्तीनी राष्ट्र के ख़िलाफ़ खड़ी है। उसकी नीतियाँ साफ़ संकेत देती हैं कि वह दो राष्ट्रों के सिद्धांत को कमजोर करना चाहती है।

**बस्तियों का विस्तार**

फ़िलिस्तीनी इलाक़ों का टुकड़ों में बंटना , वेस्ट बैंक का स्थायी विलय, इन सबका मतलब है कि एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य की संभावना को धीरे–धीरे खत्म किया जा रहा है।

**अंतरराष्ट्रीय समुदाय की खामोशी**

संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार संगठनों ने वेस्ट बैंक की स्थिति पर चिंता जताई है। लेकिन ठोस कार्रवाई का अभाव साफ़ दिखता है। बयान आते हैं, रिपोर्ट छपती हैं, लेकिन ज़मीन पर कुछ नहीं बदलता, यह खामोशी फ़िलिस्तीनियों के लिए और भी भारी पड़ती है।

**आज़ाद फ़िलिस्तीन का सिकुड़ता सपना**

वेस्ट बैंक में जो हो रहा है, वह सिर्फ़ आज की समस्या नहीं है। यह भविष्य को आकार दे रहा है। जिस रफ़्तार से: ज़मीन छीनी जा रही है, बस्तियाँ फैल रही हैं, फौजी कानून मजबूत हो रहा है, उससे आज़ाद फ़िलिस्तीन का अस्तित्व लगभग मिटता हुआ दिखता है। वेस्ट बैंक की हकीकत यह बताती है कि बंदूक, फेंसिंग और फौजी कानून से शांति नहीं आती। यह सिर्फ़ नफ़रत, असुरक्षा और हिंसा को जन्म देता है।

# धर्मेन्द्र प्रधान मारवाड़ महोत्सव सांस्कृतिक एकता और लोक परंपरा का अद्वितीय संगम - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को ओडिशा के संबलपुर में मारवाड़ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ की धरती ओडिशा अध्यात्म, धर्म, संस्कृति, संस्कार, साहित्य और देश की आजादी के लिए लड़ने वालों की भूमि है। उन्होंने कहा कि शौर्य और वीरता की धरती राजस्थान से यहां आए मारवाड़ी समाज का अपनी मातृभूमि से गहरा जुड़ाव है। बिरला ने कहा कि मारवाड़ी समाज ओडिशा की धरती पर अपने कर्म और श्रम से अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान और ओडिशा का गहरा संबंध भी है। दोनों की आध्यात्मिक आस्था, संस्कृति और विचारों में समानता है। मारवाड़ी समाज ने कड़ी मेहनत से यहां के लोगों को भी अपना बनाया है। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में मारवाड़ी समाज त्याग, सेवा और समर्पण से अपनी पहचान बना रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी समाज जन्मस्थली से जुड़कर कर्मस्थली पर सामाजिक दायित्वों को निभाते हैं। आपदा और संकट की घड़ी में मारवाड़ी समाज सदैव सहयोग के लिए आगे रहता है। इन्होंने शिक्षा के लिए विद्यालय खोले, चिकित्सालय और धर्मशालाएं भी बनाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों को अपनी जन्मस्थली से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। इसी कड़ी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया। उन्होंने आह्वान किया कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में सभी अपना सकारात्मक सहयोग दें।
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान और ओडिशा तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एक भारत और श्रेष्ठ भारत के लिए राजस्थान और ओडिशा में निवेश के अवसर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ महोत्सव के आयोजन से हमारी सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश-दुनिया में मारवाड़ी अपनी संस्कृति को संरक्षित कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। मारवाड़ी समाज शिक्षा, चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में सामाजिक सरोकार के कार्य कर सभी जगह मेहनत व ईमानदारी से राजस्थान की मिट्टी की खुशबू को फैला रहे हैं।
शर्मा ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित यह महोत्सव सांस्कृतिक एकता, लोक परंपरा और भारतीय गौरव का अद्वितीय संगम है। साथ ही, राजस्थान की लोक कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और खानपान को एक मंच पर लाकर भारत की सांस्कृतिक आत्मा को एक माला में पिरोने का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जिसमें राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स की संख्या बढ़कर अब 40 हो गई है। मारवाड़ी समाज अपनी कर्मभूमि के साथ ही मातृभूमि के लिए भी काम करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की मदद के लिए हमारी सरकार ने सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। शर्मा ने कहा कि राजस्थानी भाई-बहन चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हों, मारवाड़ की अजेय भावना, शेखावाटी का उद्यमी जज्बा, मेवाड़ का गौरव, ढूंढाड़ की विनम्रता और बृज की मधुरता साथ लिए चलते हैं। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के परिश्रम से राजस्थान और ओडिशा साथ-साथ आगे बढ़ेंगे।

# स्वदेशी चेतना के साथ चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य शुभारंभ

## -स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त - राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जब भारतीयों का स्वाभिमान बढ़ेगा, तब स्वदेशी भावना स्वतः सशक्त होगी। स्वदेशी से ही आत्मनिर्भर भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि वीरों, भामाशाहों और स्वाभिमान की भूमि मेवाड़ से स्वदेशी महोत्सव के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का संदेश जाना अत्यंत प्रेरक पहल है। राज्यपाल ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान करते हुए उपस्थित जनसमूह को स्वदेशी का संकल्प भी दिलाया। मेवाड़ की शौर्यभूमि चित्तौड़गढ़ में मंगलवार को राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का भव्य शुभारंभ स्वदेशी चेतना, सांस्कृतिक गौरव और आत्मनिर्भर भारत के संदेश के साथ हुआ। सुभाष चौक से इंदिरा गांधी स्टेडियम तक निकली रंग-बिरंगी भव्य शोभायात्रा ने पूरे शहर को स्वदेशी के रंग में रंग दिया, वहीं उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि हम स्वदेशी के माध्यम से विदेशी वस्तुओं के गुणवत्तापूर्ण, सस्ते और टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत कर विदेशी कंपनियों के वर्चस्व को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हमें अपने गौरवशाली इतिहास को स्मरण रखना होगा। रावलपिंडी और तक्षशिला हमारे ही इतिहास की गौरवशाली विरासत हैं तथा रावलपिंडी का नाम चित्तौड़गढ़ के महानायक बप्पा रावल के नाम पर है। बागडे ने कहा कि भारत आज विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। एक समय था जब देश को गेहूं आयात करना पड़ता था, लेकिन आज 140 करोड़ जनता का पेट भरने के बाद भी हम अनाज का निर्यात कर पा रहे हैं, यह स्वदेशी की ताकत का प्रमाण है। भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भी स्वदेशी अवधारणा का ही परिणाम है। 1905 में प्रारंभ हुए स्वदेशी आंदोलन के 120 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी हमारा पूर्ण स्वदेशी न बन पाना हम सभी के लिए चिंतन का विषय है। आजादी से पूर्व भारतवासियों द्वारा कपास से बने कपड़ों का उपयोग किया कर स्वदेशी का उद्घोष किया था। राज्यपाल बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की ओजस्वी कविता की पंक्तियों से किया, जिनमें चित्तौड़गढ़ के जौहर, त्याग और अमर बलिदान का स्मरण है। अटल जी की पंक्तियों - "अकबर के पुत्र से पूछो, क्या याद है तुम्हें मीना बाजार, क्या तुम्हें याद है चित्तौड़गढ़ में जलने वाली आग प्रखर,जब सहस्त्र माताएं तिल-तिल कर जलकर हो गईं अमर" का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह आग बुझने वाली नहीं है बल्कि वह आज भी चित्तौड़ की मिट्टी, उसकी रग-रग और जन-जन के संस्कारों में समाई हुई है। स्वागत उद्बोधन में स्थानीय सांसद चन्द्र प्रकाश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी के प्रति समर्पण और प्रेरणा का मूर्त रूप ही चित्तौड़गढ़ में आयोजित यह स्वदेशी महोत्सव है। स्वदेशी से आत्मनिर्भर बनने के मंत्र के साथ आज भारत विश्व पटल पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। उन्होंने छह दिवसीय इस आयोजन को स्वदेशी भावना को समर्पित बताया।

# सुशासन, विकास और विश्वास की जीवंत झलक है जिला विकास पुस्तिका - जोगाराम पटेल

## -मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ जिला विकास पुस्तिका का विमोचन समारोह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जयपुर जिले की जिला विकास पुस्तिका के विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर द्वारा प्रकाशित जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।
विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि "बढ़ता राजस्थान–हमारा राजस्थान" केवल एक नारा नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, सुशासन की सोच और जनकल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। यह पुस्तिका सरकार की विकास यात्रा, उपलब्धियों और जनहितकारी निर्णयों का समग्र दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि जयपुर जिला प्रशासन ने भी सुशासन की दिशा में नवाचारों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किए हैं। रास्ता खोलो अभियान, नरेगा आखर अभियान और बिटिया गौरव पेटी अभियान जैसे अभिनव प्रयासों ने आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार की ये पहल प्रशासन की संवेदनशीलता, जवाबदेही और जन-भागीदारी की भावना को दर्शाती हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान ने विकास की नई गति, विश्वसनीय शासन व्यवस्था और सशक्त जनभागीदारी के साथ अपनी एक नई पहचान बनाई है। किसान, युवा, महिला, श्रमिक और उद्यमी—समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर सरकार ने ठोस और परिणामोन्मुखी निर्णय लिए हैं। आज राजस्थान नव-उत्थान से नव-प्रतिमान की ओर अग्रसर है और विकास के प्रत्येक सूचकांक पर सशक्त एवं समावेशी प्रगति दर्ज कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के ये दो वर्ष सुशासन, विकास और विश्वास के दो वर्ष रहे हैं, जिन्होंने प्रदेश की दिशा और दशा बदलने की मजबूत नींव रखी है। सरकार का यह कार्यकाल चहुंमुखी विकास और जन-जन के कल्याण को समर्पित रहा है, जिसमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का स्पष्ट संकल्प दिखाई देता है। जोगाराम पटेल ने कहा कि पिछले दो वर्षों की उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि राजस्थान सरकार केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली सरकार है। शासन व्यवस्था विश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। सरकार का संकल्प है कि विकास की धारा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे, किसान आत्मनिर्भर बने, महिलाएं सुरक्षित एवं सशक्त हों, युवा रोजगार से जुड़ें और प्रदेश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों को छुए। आने वाले वर्षों में भी राजस्थान सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ "बढ़ते राजस्थान" की विकास यात्रा को और अधिक सशक्त, तीव्र एवं समावेशी बनाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड अन्य गणमान्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# संविधान को धर्म मानकर काम करें लोकसेवक, तभी साकार होगा सुशासन - डॉ. बी.एल. सोनी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 19 से 25 दिसम्बर 2025 तक मनाए जा रहे सुशासन सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जयपुर के पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ. बी.एल. सोनी मुख्य अतिथि रहे, जबकि जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. बी.एल. सोनी ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यह है कि आमजन का वाजिब कार्य निर्धारित समयावधि में बिना किसी परेशानी सम्पन्न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार होना चाहिए, ताकि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचे। सरकार का कर्तव्य है कि वह इन योजनाओं के माध्यम से आमजन के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में प्रभावी भूमिका निभाए। डॉ. सोनी ने कहा कि हम सभी लोकसेवक हैं और हमें संविधान को अपना धर्म मानते हुए पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम भावना, सकारात्मक सोच, मुस्कान और पूर्ण पारदर्शिता के साथ यदि हम निर्धारित समय में आमजन एवं पीड़ित को न्याय दिलाते हैं, तभी सुशासन की अवधारणा साकार हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दायित्वों एवं लक्ष्यों के प्रति सजग एवं सतर्क रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की मौजूदगी में संबंधित अधिकारियों ने जिले में संचालित विभिन्न नवाचारों की जानकारी पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी। उन्होंने रास्ता खोलो अभियान, सक्षम जयपुर, बिटिया गौरव एवं नरेगा आखर अभियान जैसे जनहितकारी प्रयासों के उद्देश्य, क्रियान्वयन एवं प्राप्त उपलब्धियों से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया। कार्यशाला में अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम श्रीमती विनिता सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर तृतीय संजय कुमार माथुर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर शहर दक्षिण, उपखण्ड अधिकारी जयपुर शहर राजेश कुमार जाखड़, जिला रसद अधिकारी श्रीमती संघमित्रा बड़ाया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# ताला जोड़ा में गिरदावर सर्किल पर फोलोअप शिविर का आयोजन हुआ

## -शिविर में सरकारी स्कूल, मन्दिर, कब्रस्तान के आम रास्ते का अतिक्रमण हटाने का मामला फिर उठा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आमजन को एक ही छत के नीचे 16 विभागों की सेवाएं देने के लिए फोलो अप शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जमवारामगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत ताला में गिरदावर सर्किल स्तरीय फोलोअप शिविर का आयोजन किया गया। कैंप प्रभारी एवं एसडीएम ललीत मीणा, तहसीलदार रामधन बिश्नोई, बीडिओ रमेश चन्द मीणा, ने बताया की शिविर में राजस्व, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, कृषि, पंचायतीराज, वन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं समाज कल्याण विभाग सहित 16 विभागों द्वारा शिविर में उपस्थित आमजन को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया। रमेश मीणा ने बताया की ग्रामीण सेवा शिविरों में योजनाओं का बढ़-चढ़कर लाभ उठा रहे हैं। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया गया शिविर में पंचायतीराज विभाग द्वारा लंबित पट्टों का वितरण किया गया। एसडीएम ललीत मीणा को सरकारी स्कूल का आम रास्ता,खसरा संख्या 117 में हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए ज्ञापन दिया एवं नायब तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए बोला गया। नायब तहसीलदार ने कहा अटल पथ सड़क निर्माण कार्य में अतिक्रमण नहीं हटाने वालों को नोटिस जारी कर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा। वहीं 9 मीटर में आने वाले सभी अतिक्रमण को हटाया जाएगा। इस दौरान कैंप प्रभारी एवं धौला नायब तहसीलदार अमित कुमार, ताला सरपंच अमीर खां शेख़, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा,उप सरपंच मुकेश सैनी,भाजपा उपाध्यक्ष प्रभु दयाल गुर्जर, प्रवर्तन अधिकारी गोरा मीणा, गिरदावर रामजीलाल मीणा, ग्राम विकास अधिकारी सुरेश कुमार मीणा, पिएचडी कनिष्ठ अभियंता कालुराम मीणा,सीएचसी प्रभारी विजय कुमार,पशु चिकित्सा प्रभारी विष्णु पाराशर, पंचायत सहायक हेमचन्द मीणा, ताला पटवारी चन्द्रप्रकाश मीणा,बिलोद पटवारी मुकेश यादव, कृषि अधिकारी कालूराम,सुमन जाट,लोकेश मीणा, बिजली विभाग से ताला लाइन मैन रामजीलाल मीणा,आलम खान, कमलेश सैनी, सीताराम मीणा,भैरूराम, राशन डीलर,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य विभाग मौजूद रहे।

# विशेष निरोधात्मक अभियान— प्रदेश में अवैध शराब पर कार्रवाई अभियोग दर्ज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही कर अभियोग दर्ज किए गए। आबकारी आयुक्त नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। आबकारी निरोधक दल डूंगरपुर की वारधा नदी, रोधा फला क्षेत्रों में दबिश कार्रवाई के तहत एक हजार लीटर वॉश नष्ट किया गया साथ ही 20 लीटर अवैध महुवा शराब भी जब्त की गई। हनुमानगढ़ जिले में कालीबंगा, पीलीबंगा, हांसलिया, मक्कासर नहर क्षेत्र में दबिश देकर 2200 लीटर वॉश एवं 4 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई। चित्तौड़गढ़ जिले में आबकारी निरोधक दल निम्बोहड़ा के साथ संयुक्त कार्रवाई में कदमाली, उंचा, धीनवा क्षेत्रों में 2200 लीटर वॉश एवं 8 भट्टियां नष्ट की गई। मौके से 16 बोतल अवैध महुवा शराब जब्त कर अभियोग दर्ज किया गया। भीलवाड़ा के मांडलगढ में 100 लीटर वॉश नष्ट किया। गंगापुर में 26 पव्वे देशी शराब के बरामद किए। गुलाबपुरा में भी एक अभियोग दर्ज किया गया। कोटा जिले में भवानीमंडी व चौमहला की संयुक्त कार्रवाई में 96 अवैध मदिरा के पव्वे बरामद कर अभियोग दर्ज किया गया। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है।

# "शहरी समस्या समाधान 2025" के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 16 दिसम्बर 2025 से 24 दिसम्बर 2025 तक "शहरी समस्या समाधान 2025" शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को झोटवाड़ा जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण झोटवाड़ा जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 23 से 27 एवं वैशाली नगर जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण वैशाली नगर जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 28 से 37 सामुदायिक केन्द्र, तारानगर-डी, झोटवाड़ा जोन कार्यालय में आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उपायुक्त मनीषा यादव ने बताया कि शहरी समस्या समाधान शिविर के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का समाधान एक ही छत के नीचे किया गया। कैंप के दौरान आमजन की समस्याओं को चिन्हित कर एवं शहरी समस्या समाधान शिविर 2025 के दौरान प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान की गई। शिविर में जन्म-मृत्यु विवाह पंजीयन के 50 आवेदन, नाम हस्तान्तरण के 13 आवेदन, उपविभाजन/पुर्नगठन के 9 आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चैक एवं पीएम स्वनिधि योजना के तहत चैक प्रदान किये गये। अभियान के दौरान नगरीय विकास कर से संबंधित प्राप्त आपत्तियों का त्वरित निस्तारण कर 39 लाख रूपये राजस्व वसूली की गई। सफाई कार्य में 2.5 किलोमीटर की सड़क की सफाई करवाकर 1 डम्पर कचरा उठवाया गया। 24 दिसम्बर 2025, बुधवार को सिविल लाईन जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण सिविल लाईन जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 88 से 103 जोन कार्यालय, मोचियों की छबील, साईस पार्क के पास एवं मुरलीपुरा जोन के फोलोअप शिविर सम्पूर्ण मुरलीपुरा जोन क्षेत्र वार्ड संख्या 01 से 06 एवं 09 से 13 कार्यालय मुरलीपुरा जोन, मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पास आयोजित किया जायेगा। नगर निगम आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी ने बताया कि "शहरी समस्या समाधान शिविर-2025" के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 10:00 बजे से 05:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

**शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहतः-**

गिर्राज सिंह जो की झोटवाड़ा के रहने वाले हैं उन्होंने झोटवाड़ा जोन में चल रहे शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 में पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोन के लिए आवेदन किया आवश्यक दस्तावेज लगाकर आवेदन जमा करने संबंधी प्रक्रिया के पूर्ण होने के कुछ समय पश्चात थी शहरी समस्या समाधान शिविर 2025 में पीएम स्वनिधि योजना के तहत निगम नगर निगम प्रशासन द्वारा गिर्राज को 25 हजार रूपये की लोन राशि स्वीकृत कर चेक प्रदान किया गया गिर्राज ने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना से प्राप्त लोन राशि का उपयोग वे अपने छोटे से उद्योग को बढ़ाने में लगाएंगे जिससे वह और अधिक आत्मनिर्भर बन सके और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो सके इसके लिए उन्होंने नगर निगम प्रशासन और मुख्यमंत्री महोदय का बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त किया। झोटवाड़ा के स्थानीय निवासी सौरभ माथुर ने झोटवाड़ा जोन में चल रहे शहरी समस्या समाधान शिविर 2025 में आकर अपने मकान के नाम हस्तांतरण के लिए आवेदन किया आवश्यक दस्तावेज लगाकर आवेदन जमा करने के कुछ समय पश्चात ही नगर निगम प्रशासन द्वारा शहरी समस्या समाधान शिविर 2025 के तहत सौरभ को उनके मकान का नाम हस्तांतरण पत्र तैयार कर प्रदान किया गया अपने इस कार्य के बिना किसी परेशानी के एवं त्वरित गति से पूर्ण होने पर सौरभ को बहुत प्रसन्नता हुई और उन्होंने बताया कि अपने इस कार्य में उन्हें नगर निगम प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ जिससे उनका काम बहुत ही कम समय में पूरा हो गया इसके लिए सौरभ ने नगर निगम प्रशासन एवं मुख्यमंत्री महोदय का बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त किया और तहे दिल से आभार भी व्यक्त किया।

# शहर की सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए फील्ड पर उतरी नगर निगम टीम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम की टीम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने एवं स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 में आने के लिए लगातार एक्शन मोड में कार्य कर रही है। मंगलवार को नगर निगम की पूरी टीम फील्ड पर उतरी। सभी वार्ड OIC ने आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। सभी OIC ने सफाई कर्मचारियों की हाज़िरी, मुख्य मार्गों पर कचरा पात्र की स्थिति, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का फीडबैक, सफाई कर्मचारी प्रोपर यूनिफॉर्म में है या नहीं, कचरा डिपो की स्थिति, अवैध हॉर्डिंग-बैनर-पोस्टर, सी एंड डी वेस्ट, सार्वजनिक शौचालय की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। आयुक्त ने बताया कि शहर को स्वच्छ रखना हमारे लिए प्राथमिक कार्य है। तकनीक का उपयोग, प्रभावी मॉनिटरिंग, आमजन को समझाइश, धरातल पर सफाई, जन भागीदारी और जन जागरूकता से ही शहर स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। सभी जोन उपायुक्तों को भी सुबह फील्ड में सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग के निर्देश दिये गये है, जिसके तहत सभी जोन उपायुक्तों द्वारा फील्ड में जाकर सफाई व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। आयुक्त के निर्देश पर मंगलवार को वार्ड OIC सुबह 730 बजे से 900 बजे तक आवंटित वार्ड की सफाई व्यवस्था को परखने फील्ड पर उतरे। मौके पर जाकर स्वच्छता के विभिन्न मानकों को जाँचा। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था का आमजन से फीडबैक लिया। आमजन को गंदगी न फैलाने के लिए समझाइश की तथा मौके पर कैरिंग चार्ज भी वसूल किया।

# जयपुर साउथ पुलिस का बड़ा एक्शन, मोबाइल स्नैचिंग गैंग के 6 शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर साउथ पुलिस ने मोबाइल और चेन स्नैचिंग की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक शातिर स्नैचर गैंग को ध्वस्त करते हुए 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से शहर में हुई स्नैचिंग की कई वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल बरामद किए हैं। इसके अलावा, बदमाशों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस सफलता से इलाके में अपराध पर लगाम लगने की उम्मीद है।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| बिजली फॉल्ट के लिए | |
| --- | --- |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | |
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

| पानी के लिए | |
| --- | --- |
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| **घायल पशुओं के लिए** | |
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# मनरेगा का केंद्र सरकार द्वारा नाम परिवर्तन कर जी राम जी रखने पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

**शादाब अली**

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती इंदिरा मीणा के नेतृत्व में आज जिला कांग्रेस कमेटी सवाई माधोपुर द्वारा केंद्र कि भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को परिवर्तन कर जी राम जी रखने के विरोध में महावीर पार्क में सभा आयोजित हुई जिसमें सभी कांग्रेस के वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। कांग्रेस मीडिया प्रभारी अमन खान ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार हिंदू मुस्लिम राम रहीम अरावली पर्वतमाला ऐसे मुद्दों को लेकर लोगों को ध्यान भटकाने का काम कर रही है जबकि मनरेगा गरीबों के हित की योजना है जिसको पूरे गांव में लोग मनरेगा के नाम से जानते हैं जिसके साथ अगर छेड़छाड़ की गई तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर विरोध करेगी पूर्व जिला अध्यक्ष गिरिराज गुर्जर ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार यूपीए सरकार की विकास योजनाओं के नाम परिवर्तन करने का काम कर रही है कोई नई योजना नहीं ला रही है इंदिरा रसोई का नाम बदल दिया राजीव गांधी सेवा केंद्र का नाम बदलकर अटल सेवा केंद्र रख दिया अब मनरेगा जो महात्मा गांधी के नाम पर संचालित है इसमें गांव और गरीब के लोगों को रोजगार मिल रहा था उनका नाम जी राम जी रख करके भगवान राम जो संस्कृति का प्रतीक है उनको

बदनाम करने का षड्यंत्र किया जा रहा है भगवान राम को सड़कों पर लाने का काम किया जा रहा है अगर मनरेगा में भ्रष्टाचार होगा तो कल लोग जी राम जी भ्रष्टाचार के नाम से संबोधित करेंगे जो भगवान का अपमान माना जाएगा जिसका हम कांग्रेसी पूरी तरह से विरोध करते है सभा में जिला प्रमुख सुदामा मीणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव लइक अहमद प्रधान देवपाल मीणा प्रधान प्रतिनिधि मुकेश मीणा चौथ का बरवाड़ा प्रधान प्रतिनिधि कमलेश पहाड़िया राजेश पहाड़िया बंशीलाल मीणा प्यार सिंह गुर्जर वीपी सिंह रजाना डिग्गी प्रसाद मीणा प्यारेलाल शर्मा दशरथ मीणा श्यामलाल मीणा वकील जुगराज चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष खंडार रमेश पंसारी मानसिंह मीणा एडवोकेट घनश्याम मीणा ब्लॉक अध्यक्ष बामनवास चेतराम मीणा मुई,अजय शर्मा आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये सभा के बाद में सभी कार्यकर्ता एकत्रित होकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और सांकेतिक धरना देकर विरोध प्रदर्शन कियाभाजपा सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का नाम हटाए जाने के निर्णय के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष बामनवास विधायक श्रीमती इंदिरा मीणा जी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस कमेटी सवाई माधोपुर द्वारा धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की एवं केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया तथा मनरेगा और महात्मा गांधी के सम्मान की रक्षा की मांग की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, पीसीसी सचिव ब्लॉक अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष नगर अध्यक्ष , पुर्व सभापति विमल जी, पार्षद गण व ज़रार अहमद ब्लॉक उपाध्यक्ष, अनिल वर्मा जिला महामंत्री,सज्जन गंगवाल (जिला महिला कांग्रेस महासचिव),बीना लोदवाल(जिला महिला कांग्रेस महासचिव), इशरत मिर्जा (पूर्व पार्षद) ओम सैन महामंत्री, पार्षद संजय, पुष्पा सालोदिया, अजरूद्दीन , लुकमान अहमद, सरफराज चौधरी, रामजीलाल गुर्जर स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# महिला का अपमान करने के विरुद्ध में नीतीश कुमार से मांगा इस्तीफा

अंता (रॉयल पत्रिका) । एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा मुस्लिम महिला के हिजाब खींच कर उसके साथ अपमान किया। यह मुस्लिम ही नहीं पूरे देश की महिलाओं का अपमान है इसके विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां ने विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग बारां के जिला अध्यक्ष अली हुसैन टीपू ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में डॉ. नुसरत परवीन का हिजाब हटाने जैसा वीडियो वायरल हुआ था, इसके विरोध में सोमवार 22 दिसंबर को बड़ी संख्या में समाज बंधु ओर कांग्रेस के पदाधिकारी मोमिनान चौक से इकठ्ठे होकर सीएडी सर्किल अंता पर पहुंचे । जहां पर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी कर नीतीश कुमार से माफी मांगने व इस्तीफा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी अंता को ज्ञापन दिया गया। वक्ताओं ने कहा यह देश रानी लक्ष्मीबाई का देश है यहां नारी का अपमान बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा एवं हर स्तर पर इसकी पुरजोर खंडन किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन के दौरान पूर्व ईदगाह सदर हाजी जमील अहमद, हाजी मोहम्मद अजीज, अब्दुल कलाम, ऐनुल हक खान, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, फिरोज अंसारी, शरीफ भाई, शाहिद बाबा, मुख्तार भाई बालदढ़ा, एकाब हुसैन, अनस खान, आरिफ मंत्री, कासिम अली, अल्फ़ेज, शकील मंसूरी, कलाम बाबा, सोहेल अंसारी मांगरोल, शोएब, मोइन आजाद शहादत हुसैन, समीर, पंकज मेरोठा, बंटी मेवाती, किसान कांग्रेस नगर अध्यक्ष रामेश्वर कहार, पुरुषोत्तम बैरवा, गायत्री व्यास, जाहिदा, अलीमन, रानी यादव अध्यक्ष महिला कांग्रेस मांगरोल, महमूद अली सहित कई पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को मानवता पर कलंक बताया

किशनगंज (रॉयल पत्रिका) । भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हो रही हिंसा, उत्पीड़न और बर्बर घटनाओं को मानवता पर कलंक करार देते हुए इसकी भर्त्सना की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को उनकी धार्मिक पहचान के कारण निशाना बनाया जाना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह वहां की कानून-व्यवस्था और मानवाधिकार संरक्षण व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करता है। डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने विशेष रूप से उस अत्यंत नृशंस, हृदयविदारक और अमानवीय घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया, जिसमें हिंदू युवक दीप चंद्र दास की दुखद मृत्यु से जुड़ी जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर वहां की सरकार गंभीर रूप से असफल रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि धर्म के नाम पर की जाने वाली हिंसा आतंक का ही एक रूप है, जिसे किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। ऐसी घटनाएं सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करती हैं और क्षेत्रीय शांति के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करती हैं। डॉ. मलिक ने बांग्लादेश सरकार से मांग की कि वह इन जघन्य घटनाओं पर केवल औपचारिक बयानबाजी तक सीमित न रहे, बल्कि जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवारों को सुरक्षा, न्याय और सम्मानजनक मुआवजा तत्काल प्रदान किया जाए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, संयुक्त राष्ट्र तथा वैश्विक लोकतांत्रिक शक्तियों से अपील की कि वे बांग्लादेश में हिंदुओं सहित सभी धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति का तत्काल संज्ञान लें और वहां की सरकार पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाएं, ताकि अल्पसंख्यकों के जीवन, संपत्ति, सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा सुनिश्चित हो सके। डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने स्पष्ट किया कि भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, हमेशा मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा है और आगे भी दुनिया के किसी भी कोने में हो रहे अन्याय, अत्याचार और दमन के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा।

# इलाज में लापरवाही का आरोप, पत्रकार ने डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग

छबड़ा (रॉयल पत्रिका) । छबड़ा कस्बे में आंखों के इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। एक स्थानीय पत्रकार ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया है कि बिना आवश्यक मेडिकल जांच के की गई आंखों की सर्जरी के कारण उसकी आंखों की रोशनी चली गई। पीड़ित पत्रकार ने मामले में दोषी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई और थाना छबड़ा में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। छबड़ा निवासी पत्रकार माजिद राही ने बताया कि वह गायत्री आई हॉस्पिटल, छबड़ा में आंखों की जांच कराने गया था, जहां डॉक्टर ने कंप्यूटर के माध्यम से जांच कर मोतियाबिंद बताया और ऑपरेशन की सलाह दी। आरोप है कि ऑपरेशन से पहले बीपी, शुगर और रेटिना की जांच नहीं करवाई गई, जबकि उसने इन बीमारियों की जानकारी डॉक्टर को दी थी। पीड़ित का कहना है कि इलाज के दौरान आंखों में तेज दर्द होने पर उसे झालावाड़ ले जाया गया, जहां डॉ. नेहा जैन द्वारा इंजेक्शन लगाकर ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान आंख से खून आने लगा और बाद में पट्टी बांधकर उसे घर भेज दिया गया। इसके बाद उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह चली गई। आठ दिन बाद दोबारा जांच कराने पर उसे कोटा भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि अब आंखों की रोशनी लौटने की संभावना नहीं है। पत्रकार ने इसे अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ बताते हुए प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

# ब्राह्मण महासंघ के पदाधिकारियों ने वितरित की जर्सी

## -जर्सियां पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। ब्राह्मण महासंघ के पदाधिकारियों ने आज बामनवास तहसील के बिचपुरी गांव में कड़ाके की ठंड के चलते राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जर्सियां वितरित की । ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भामाशाह शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष शर्मा के सहयोग से विधालय में 151 जर्सियां बांटी गई, ठंड में जर्सियां पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे । इस दौरान ब्राह्मण महासंघ युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष आकाश भारद्वाज, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मुरली गौतम, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुशीला मीणा, वरिष्ठ अध्यापक विमलेश शर्मा, वीरसिंह मीणा, रोहिताश बैरवा, जसराम मीणा आदि उपस्थित रहे । भामाशाह डॉ. मनीष शर्मा पिछले दिनों में कई राजकीय विद्यालयो में जर्सियां वितरित कर चुके हैं ।

# सुशासन सप्ताह 2025: जिले में सुशासन नवाचारों पर मंथन, प्रकृति से सीखने का आह्वान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सुशासन सप्ताह 2025 के अंतर्गत मंगलवार को मिनी सचिवालय सभागार में जिले में सुशासन से जुड़े नवाचारों पर विचार-विमर्श हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. एस.पी. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि आदिकाल से मानव श्रेष्ठतम और आदर्श व्यवस्था की खोज करता आया है, और प्रशासन का सर्वश्रेष्ठ मॉडल स्वयं प्रकृति की व्यवस्था है। प्रकृति का सृजन, संरक्षण, दिन-रात का चक्र, ऋतु परिवर्तन, पूर्वानुमान, योजना, कार्य प्रबंधन एवं नियंत्रणकृये सभी सुशासन के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य के लिए प्रकृति से बेहतर प्रशासनिक मॉडल और कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य या देश के विकास की परिकल्पना तभी संभव है, जब उसकी कानून व्यवस्था सुदृढ़ हो। प्रशासन एक नियामक तंत्र है, जिसका उद्देश्य व्यवस्था को बनाए रखना है। सुशासन की पहली सीढ़ी संवेदनशीलता है। उपलब्ध संसाधनों का सही आकलन कर उन्हें जनहित में उपयोग में लाना ही सुशासन का वास्तविक परिचायक है। जवाबदेही को सुशासन का प्रमुख आधार बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि इससे यह सुनिश्चित होता है कि योजनाएं सही तरीके से लागू हो रही हैं या नहीं तथा लक्षित वर्ग को वास्तविक लाभ मिल रहा है या नहीं। सुशासन का अंतिम उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण है। उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलताओं एवं अनावश्यक लालफीताशाही पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यही भ्रष्टाचार और अनावश्यक विलंब को जन्म देती हैं। जब निजी क्षेत्र पारदर्शिता और जवाबदेही से कार्य कर सकता है, तो सरकारी क्षेत्र में भी ऐसा संभव है। उन्होंने कहा कि आमजन को न्याय दिलाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि त्वरित न्याय दिलाना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि न्याय में विलंब अन्याय के समान है। भारतीय सुशासन परंपरा का उल्लेख करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि भारत में सुशासन का अर्थ "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में जनकल्याण को सर्वोपरि माना गया है, वहीं महात्मा गांधी का 'स्वराज' और 'सर्वोदय' भी सुशासन की अवधारणा को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख किया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए जा रहे सुशासन प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए जिले में किए जा रहे सुशासन संबंधी नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के मंशानुरूप जिले में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान एवं ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गुड गवर्नेंस का अर्थ गुणवत्ता, सत्यता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक निदेशक योगेन्द्र शर्मा ने सुशासन /100 के तहत बारां जिले का 2047 विजन डॉक्यूमेंट प्रस्तुत किया। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना ने स्वास्थ्य सेवाओं में किए गए नवाचारों पर प्रकाश डाला तथा वाटरशेड एसई मनोज पूर्वगोला ने जिले में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्यों की जानकारी दी। कार्यशाला में विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी, पत्रकारगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# "अरावली बचाओ" आंदोलन को मिल रहा जनसमर्थन, कल होगा विशाल पैदल मार्च

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर कल "अरावली बचाओ" आंदोलन के तहत विशाल विरोध प्रदर्शन एवं पैदल मार्च का आयोजन किया जाएगा। इस आंदोलन का नेतृत्व भगत सिंह युवा क्रांतिकारी मंच द्वारा किया जा रहा है, जिसमें चूरू जिले की समस्त युवा शक्ति भाग लेगी। संगठन के संयोजक राजेश चौधरी ने बताया कि कल प्रातः 11 बजे इंद्रमणि पार्क में जिलेभर के युवा एकत्रित होंगे, जहाँ से पैदल मार्च प्रारंभ होकर कलेक्ट सर्किल पहुँचेगा। वहाँ जिला कलेक्टर के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

संगठन के जिला अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि चूरू को थार का प्रवेश द्वार कहा जाता है और यह आवश्यक है कि चूरू से देश को यह स्पष्ट संदेश जाए "अरावली बचाओ" आंदोलन में चूरू पीछे नहीं है, बल्कि अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में "अरावली बचाओ" हस्ताक्षर अभियान के दूसरे दिन मेडिकल कॉलेज, चूरू में व्यापक समर्थन देखने को मिला। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एम.एम. पुकार* ने सर्वप्रथम हस्ताक्षर कर अभियान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की यह मुहिम अत्यंत सराहनीय है। आज का युवा केवल बेरोजगारी से ही नहीं जूझ रहा, बल्कि पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दों पर भी सजग और जागरूक है। इस अवसर पर डॉ. दीपक चौधरी ने कहा कि अरावली क्षेत्र में अत्यधिक खनन के कारण प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, जिसका सीधा प्रभाव आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। इससे श्वास संबंधी रोग, त्वचा रोग सहित कई गंभीर बीमारियाँ बढ़ेंगी, जिनके भविष्य में घातक दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। हस्ताक्षर अभियान के दौरान डॉ. इदरीश खान सहित मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। इसके पश्चात यह अभियान आदर्श छात्रावास पहुँचा, जहाँ छात्रावास के समस्त विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर कर अरावली बचाओ मुहिम को अपना समर्थन दिया।आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में यह आंदोलन और अधिक व्यापक रूप से जिले भर में चलाया जाएगा।

# उर्दू एमए टॉपर तबस्सुम बानो का चूरु पहुंच ने पर होगा अभिनंदन

## -बीकानेर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडलिस्ट

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से बीकानेर महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में उर्दू एमए टॉपर तबस्सुम बानो का सम्मान कॉम काजियाना व शहर के निवर्तमान पार्षदों द्वारा किया जाएगा। इमरान याकिल पीर जी ने बताया कि चूरू कॉम काजियाना से प्रथम महिला ने उर्दू एमए में टॉपर करने पर अभिनंदन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. एम ए पुकार, डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी, रामगढ़ शेखावाटी बालिका कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. जे बी खान, कार्यक्रम अध्यक्ष कॉम काजियाना सदर संजय भाटी, वशिष्ठ अतिथि सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखाधिकारी अब्दुल जब्बार, लोहिया कॉलेज व्याख्यात प्रो. जावेद खान,पूर्व सदर ज़ाकिर झरियावाला, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, चूरू जिला अंजुमन अल शबाब जिलाध्यक्ष जमील चौहान, वार्ड पार्षद मदीना बानो होगी। स्वागत जुलूस चूरू लोहिया कॉलेज से 24 दिसंबर, शाम 5 बजे रवाना होकर नई सड़क, भारतीया कुआ से मोहल्ला झारीयावाला, मदीना पार्षद के निवास से नई सड़क होते हुए राजेंद्र स्टूडियो के पास अभिनंदन कार्यक्रम स्थल पर सम्मान किया जाएगा।

# वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान वक्फ बोर्ड जयपुर द्वारा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में दो दिवसीय वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वक्फ बोर्ड जयपुर से आए चूरू वक्फ प्रभारी अत्ताउल्लाह खान एवं प्रोग्राम अधिकारी कैलाश शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करने हेतु प्रशिक्षण दिया एवं रजिस्ट्रेशन में आ रही बाधाओं एवं करण का निवारण भी बताया। कार्यक्रम में सैयद अबरार हुसैन,रिहान मुस्तफा, मास्टर जावेद, गुलाम हुसैन चौहान, असलम खान, इकबाल खान, ताबिश हुसैन शहर एवं जिले के सम्मानित लोग एवं जिला वक्फ कमेटी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

# देवेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेंद्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन संख्या 1404/2023 सुकन्या सांथा बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य में दिए गए निर्देशों की पालना में जिला कारागृह सवाई माधोपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 83 बंदी उपस्थित पाएं गए, देवेंद्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अन्य सदस्यों समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनिल जैमिनी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गोविन्द सहाय मीना अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, मनोज कुमार गहलोत उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरकेश मीना जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं ओमप्रकाश मीना कृषि अधिकारी कृषि विस्तार द्वारा बंदियों से वार्ता कर जाति या धार्मिक आधार पर रसोईघर या भोजन पकाने का प्रबंधन, जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों को दिया जाने वाला विशेष उपचार एवं बंदियों के समूह का वर्गीकरण, जेल के अंदर पंजीकृत विचाराधीन या दोषी बंदियों से संबंधित रजिस्टर में जाति का कॉलम तथा जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर बंदियों के साथ भेदभाव आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह में लिंग, जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना पाया गया। साथ ही बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा मौके पर उपस्थित जिला कारागृह के उपाधीक्षक बिहारीलाल एवं जेलर ताराचन्द शर्मा से जिला कारागृह की साफ-सफाई, बंदियों के पीने योग्य पानी की व्यवस्था, बंदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाएं, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, उनके मुकदमों, संबंधित थाना एवं न्यायालय आदि के संबंध में पूछताछ की गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता तथा जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की

गई कार्यवाही आदि के संबंध में पूछताछ की गई। दौराने निरीक्षण चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल राधेश्याम जोगी, अधिकार मित्र मगनलाल मीना आदि उपस्थित रहे।।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार देवेंद्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन संख्या 1404/2023 सुकन्या सांथा बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य में दिए गए निर्देशों की पालना में जिला कारागृह सवाई माधोपुर का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 83 बंदी उपस्थित पाएं गए, देवेंद्र दीक्षित अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बोर्ड ऑफ विजिटर्स के अन्य सदस्यों समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनिल जैमिनी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, गोविन्द सहाय मीना अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, मनोज कुमार गहलोत उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरकेश मीना जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं ओमप्रकाश मीना कृषि अधिकारी कृषि विस्तार द्वारा बंदियों से वार्ता कर जाति या धार्मिक आधार पर रसोईघर या भोजन पकाने का प्रबंधन, जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों को दिया जाने वाला विशेष उपचार एवं बंदियों के समूह का वर्गीकरण, जेल के अंदर पंजीकृत विचाराधीन या दोषी बंदियों से संबंधित रजिस्टर में जाति का कॉलम तथा जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर बंदियों के साथ भेदभाव आदि के संबंध में पूछताछ कर उनकी समस्याओं को सुना गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह में लिंग, जाति या धार्मिक आधार पर बंदियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना पाया गया। साथ ही बोर्ड ऑफ विजिटर्स द्वारा मौके पर उपस्थित जिला कारागृह के उपाधीक्षक बिहारीलाल एवं जेलर ताराचन्द शर्मा से जिला कारागृह की साफ-सफाई, बंदियों के पीने योग्य पानी की व्यवस्था, बंदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाएं, नए प्रवेश करने वाले बंदियों के नाम एवं पता, उनके मुकदमों, संबंधित थाना एवं न्यायालय आदि के संबंध में पूछताछ की गई। साथ ही प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को प्राप्त विधिक सहायता तथा जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा की गई कार्यवाही आदि के संबंध में पूछताछ की गई। दौराने निरीक्षण चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल राधेश्याम जोगी, अधिकार मित्र मगनलाल मीना आदि उपस्थित रहे।

# रणकपुर जवाई बांध महोत्सव 2025:

# रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल में उमड़ा जनसैलाब, रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने किया रोमांचित, महोत्सव का रंगारंग समापन

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़-गोड़वाड़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की मंशा से जिला प्रशासन पाली, पर्यटन विभाग राजस्थान तथा नगरपालिका सादड़ी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल 2025 का सोमवार को रंगारंग समापन हुआ। इस अवसर पर महोत्सव में पर्यटक वन्यजीवों को प्राकृतिक पर्यावास में देखकर रोमांचित हो उठे। इधर, रणकपुर स्थित हॉट एयर बैलूनिंग आयोजित हुआ। हेलीपैड ग्राउंड पर ही आयोजित रोचक प्रतियोगिताओं में भी सैलानियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

**विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन:-**

महोत्सव में रस्साकस्सी की महिला की प्रथम टीम में सुमन, सोनल, सीता, रेशमा, आशवंती, लक्ष्मी, आकांक्षा, दीपिका, कंचन, ललिता, चम्पा प्रथम रही। इसी प्रकार पुरूष की रस्साकस्सी टी में रमेश चंद परिहार, रानूसिंह, रामेश्वर फिरोदा, बाबुलाल माली, ललित माली, मुकेश देवासी, पप्पु कुमार, जावेद टांक, भंवरलाल, नकुल कश्यप व जीतू चौधरी टीम प्रथम रहे। गोडवाड श्री में प्रशांत वर्मा प्रथम एवं मिस गोडवाड़ में शारदा कुमार प्रथम रही। मूछ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विक्रमसिंह, नरसिंह चौहान प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर संदीप राठौड़, तृतीय स्थान पर पोकरलाल सोलंकी, धीरेन्द्र सिंह, देवा मारवाडी तृतीय रहे। साफा बांध प्रतियोगिता में संजय मेंशन प्रथम, तेजवंत सिंह चौहान द्वितीय, तृतीय डिकेन्द्र सिंह सिसोदिया, यूधिष्टर चौहान, मादाराम तृतीय रहे। चम्मच दौड़ में आदित्य सिंह प्रथम, रमेश द्वितीय व पदमिनी तृतीय नम्बर पर रही तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता

में राजकुमार सोनी प्रथम, शुभम सोनी द्वितीय एवं आदित्य कंसारा तृतीय रहे। मटका दौड़ में प्रथम गुणिता देसूरी, द्वितीय कन्या सोनाणा, तृतीय शारदा रही, इसके साथ ही अन्य स्पर्धाएं भी आयोजित हुई।

**फोटो प्रदर्शनी रही आकर्षण:-**

फेस्टिवल में जिला कलेक्टर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें जिले भर के फोटोग्राफर्स ने प्राकृतिक, वाइल्डलाइफ,कल्चर व सांस्कृतिक विषय पर फोटोग्राफी कर प्रविष्टियां जमा कराई। इन सभी फोटोग्राफ्स की यहां प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे दर्शको ने देख के सराहा।

**हॉर्स शो का भी हुआ आयोजन:-**

फेस्टिवल के दिन हॉर्स शो आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने सजे धजे घोड़ों के करतबों पर दांतो तले उंगली दबा ली। हॉर्स पोलो के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। फेस्टिवल के अंतिम दिन रात सूर्य मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में मामे खान के सुरों ने समा बांध दिया। मामे खान ने पधारों मारे देश गीत से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की। साथ ही रामचन्द्र अवतार लियो.., वंदे मातरम...., जब देखु बन्ने री लाल पीली अंखिया....., केशरिया बालम..., चमचम चमके चुनडी बनजारा रे.. आदि गीतों की प्रस्तुति दी। उसने दर्शकों का उत्साह देखते ही बना। एक से बढ़कर एक प्रस्तुत कर दूरदराज से आए पर्यटकों और स्थानीय नागरिको की खूब दाद बटौरी। इससे पूर्व दिनभर चली रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने भी सैलानियों को रोमांचित किया।

**ये रहे मौजूद:-**

इस अवसर पर पशुपालन, डेयरी, देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर एलएन मंत्री, प्रशिशु आईएएस बिरजु गोपाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. बजरंगसिंह, बाली अतिरिक्त जिला कलक्टर शेलेन्द्रसिंह, उपखण्ड अधिकारी देसूरी सिद्धार्थ सांदु, नगरपालिका ईओ सादडी, संयुक्त निदेशक पर्यटन भानु प्रताप, सेलो ग्रुप के प्रतिनिधि नरेश ओझा, पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक सरिता फिडौदा एवं अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# राष्ट्र उत्थान के लिए ब्राह्मण समाज का विशेष योगदान है- हरितवाल

## -संत सानिध्य में गौड़ ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

## -140 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान चूरू का स्थानीय दादा बाड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह संत दण्डी स्वामी जोगेन्द्राश्रम महाराज, भद्रकाली शक्तिपीठ, राजलदेसर के सानिध्य में आयोजित किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल जबकि अध्यक्षता महासभा चूरू के जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने की। विशिष्ठ अतिथि उपाध्यक्ष विजय बासोतिया, कुलपति श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय, निंबाहेड़ा प्रोफेसर महेश दीक्षित, डॉ. मंजु शर्मा, प्रिंसिपल, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू महामंत्री राम स्वरूप जोशी, युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष पंकज पचलंगिया थे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया बाद में जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल के नेतृत्व में महासभा के वैध बनवारी लाल शर्मा, विश्व नाथ शर्मा राजगुरू, हुकमी चंद गौड़, बाबूलाल शर्मा, मुरारीलाल इंदोरिया, कैप्टन के के शर्मा, नरेंद्र लाटा, सूर्यप्रकास त्रिवेदी, डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, दामोदर गोतम, श्याम सुंदर शर्मा, बाल किशन बावलियां, नवरतन शर्मा, विजय शर्मा पूर्व सभापति, एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, नवीन शर्मा, पुनीत लाटा, विनय गोतम, देवकांत शर्मा, रमेश वशिष्ठ, पंकज मिश्रा, दिनेश बावलिया, बाबू पाटिल, सुरेन्द्र बावलिया, परमानंद शर्मा, योगेश गोग्यांन, योगेश गौड़, राजेश गौड़, रामवतार शर्मा, एडवोकेट योगेश शर्मा, रमेश शर्मा, मनीष शर्मा, सुशील गोगयान, राधेश्याम शर्मा, ओम प्रकाश मोटेका, मनोज शर्मा, संदीप पाटिल, कालू राम महर्षि, डॉ. रवि कांत शर्मा, दिनेश धरड़, महेश गोग्यान, प्रमोद मिश्रा, महेश हारित, रवि शर्मा, मनमोहन महर्षि, सुदर्शन चुलेट, मोहन लाल शर्मा, राम रतन पुरोहित, केलाश शर्मा, सुदर्शन भेड़ा, सुशील

शर्मा, प्रेम प्रकाश वशिष्ठ, गिरधारी लाल हारितवाल, अंजनी शर्मा, नीरज शर्मा, वैध सुरेश शर्मा, संदीप शर्मा महेश मिश्रा आदि पदाधिकारियो द्वारा आए हुऐ अतिथियों का माला पहनाकर,शाल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर व प्रतिक चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संत दंडी स्वामी जी ने कहा कि हम जिस भूमि पर हम निवास कर रहे हैं उस भूमि पर अनेक ब्राह्मण महापुरुषों ने जन्म लिया है जो हमारे लिए गौरव का विषय है उन्होंने कहा कि ब्राह्मण को शस्त्र नही बल्कि शास्त्र का अनुसरण करना चाहिए जिससे विश्व का कल्याण हो, इस अवसर पर गौड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष विजय हरितवाल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र उत्थान के लिए ब्राह्मण समाज का विशेष योगदान है उन्होंने कहा कि ब्रह्मण शिक्षा, संस्कार में मजबूत है वह कही से भी कमज़ोर नही है अपने आप में ब्रह्मण को और अधिक मजबूत बनाना होगा। इस अवसर पर विजय बसोतिया, पंकज पंचलंगिया, कुलपति प्रो शर्मा, प्राचार्य मंजू शर्मा ने विचार व्यक्त कर समाज को संगठित होने का आहवान किया साथ ही सम्मानित होने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष सुधाकर सहल ने दिया जबकि सरक्षक डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने आने वाले सभी अतिथियों का आभार जताया। समारोह का संचालन डॉ. मनोज योगाचार्य व विनीता शर्मा ने किया।

# कांग्रेस सेवादल ने अरावली पर्वत श्रंखला के संरक्षण एवं अवैध खनन पर प्रभावी रोक की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस सेवादल की ओर से जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव के नेतृत्व में अरावली पर्वत श्रंखला के संरक्षण एवं अवैध खनन पर प्रभावी रोक की मांग को लेकर मंगलवार 23 दिसंबर को जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि अरावली पर्वत श्रंखला जो की विश्व की सबसे प्राचीन पर्वती प्रणालियों में से एक तथा राजस्थान की पर्यावरणीय सुरक्षा की आधारशीला है। जो आज गंभीर संकट का सामना कर रही है। यह श्रंखला मरूस्थलीकरण को रोकने भूजल पुर्नभरण जलवायु संतुलन एवं जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाल ही में सरकार द्वारा अरावली पर्वत श्रंखला के 100 मीटर उंचाई आधारित परिभाषा निर्णय के कारण अरावली के कई परिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र संरक्षण से बाहर रह जाने की आशंका बनी हुई है। अरावली

पर्वत श्रंखला थान मरूस्थल को पूर्व की और बढने से रोकने वाली प्राकृतिक दिवार है तथा यह चंबल साबरमती एवं लूणी जैसी नदियों को जल तंत्र से जूडी हुई है। इसका निरंतर क्षरण राजस्थान एवं उच्च भारत की पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित केंद्रीय शसक्त समिति ने अरावली संरक्षण हेतु वैज्ञानिक मानचित्र संवेदनशील क्षेत्रों में खनन पर प्रतिबंध एवं स्टोन क्रेशर इकाईयों के कार्य नियमन की सिफारिश की है, जिनका शक्ति से पालन आवश्यक है। पदाधिकारियों मांग की है कि अरावली पर्वत श्रंखला का संपूर्ण वैज्ञानिक मानचित्रण शीघ्र करवाया जाए, अवैध खनन एवं स्टोन क्रेशर की गतिविधियों पर शक्त निगरानी एवं कठोर कार्रवाई की जाए, वन संरक्षण जल पुर्नभरण एवं परिस्थितिक, पुर्नस्थापन हेतु ठोस दीर्घकालीन योजना लागू की जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली, संभाग प्रभारी एससी सत्यनारायण भूमलिया, उपाध्यक्ष कुलदीप भूलाहेडी, संदीप शर्मा खेडली, सुरेंद्र नागर, नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, विजय बैरवा, पवन पांचाल आदि मौजूद रहे।

# कुरैशी महासभा संस्थान राजस्थान द्वारा नियुक्त मोहम्मद इरफान कुरैशी गोदानी का भव्य स्वागत किया

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि समाजसेवी मोहम्मद इरफान कुरैशी की सेवाओं को देखते हुए कुरैशी महासभा संस्थान राजस्थान द्वारा जोधपुर जिले का अध्यक्ष बनाया गया। इस खुशी के मौके पर नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान, अंजुमन रफायाम संस्था, मीट एसोसिएशन के तमाम पदाधिकारी सदस्य एवं कुरैशी समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर मोहम्मद इरफान कुरैशी ने कुरैशी महासभा संस्थान राजस्थान के पदाधिकारीयों का एवं स्वागतकर्ताओं का शुक्रिया अदा किया और संकल्प लिया कि समाज में जिस तरह से कुरीतियां

बढ़ रही है उनको मिटाने के लिए शिक्षा को बढ़ाने के लिए आमजन के सहयोग से निरंतर प्रयास करेंगे बहुत जल्द अपनी टीम गठित कर आमजन को जोड़कर समाज को मजबूत बनाने का काम करेंगें। इस मौके पर रफीक बिजलीघर, मोहम्मद सफी पेंटर, मोहम्मद रफीक, चंपालाल, मोहम्मद सईद टेलर, महमूद भाई, रहमान भाई, मोहम्मद हुसैन सांखला, मोहम्मद हारून, मोहम्मद शाहिद सांखला, शौकत गोरी, खलील गोरी, इरफान बाबा, यासीन गोरी, अली हुसैन हवेली, शकील अहमद, आसिफ नूरी, मोहम्मद हारून, मोहम्मद इमरान, साजिद खान जोधाणा आदि मौजूद रहे।

# नगरपालिका की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

## -दो कार्मिकों को जमादार के पद पर पदौन्नति का प्रस्ताव पारित

**मोहम्मद अली पठान**

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। नगरपालिका सभाकक्ष में नगरपालिका रतननगर की साधारण सभा की बैठक नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर की अध्यक्षता में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में रखे गये प्रस्तावों पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव को पारित किया। अधिशाषी अधिकारी सुश्री संजू खोड ने बताया कि पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान स्वायत शासन विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुसार वरिष्ठता व शैक्षणिक योग्यता एवं पदौन्नति के नियमों के अनुसार नगरपालिका के दो कार्मिकों पुरूषोतम लाल एवं होमेन्द्र सिंह चैहान को सफाई कार्मिक से जमादार के पद पर पदौन्नति का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया। ईओ संजू खोड ने बताया कि स्वायत शासन विभाग के निर्देशानुसार प्रति 25 स्वच्छता सैनानियों पर एक जमादार की पदौन्नति की जानी थी, नगरपालिका में 2 पद रिक्त थे उसी के अनुरूप दो जमादारों को पदौन्नति दी गई है। बैठक के दौरान कुछ सदस्यों ने लाईट व्यवस्था में सुधार की बात कही तो कुछ सदस्यों ने नालियों के निर्माण एवं खुली नालियों पर जाली लगाने के सुझाव दिये। नगरपालिका अध्यक्ष निकिता गुर्जर ने सदस्यों के सुझावों पर शीघ्र ही कार्यवाही करने का विश्वास दिलाया। बैठक के दौरान कुछ सदस्यों द्वारा बस स्टेण्ड के पास बने शौचालयों की व्यवस्थाओं में सुधार की बात कहे जाने पर पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर ने सदस्यों को बताया कि उनके संज्ञान में यह बात आते ही व्यवस्था में सुधार कर दिया गया है तथा बहुत जल्द ही राज्य सरकार की योजना के अनुसार महिलाओं के लिए एक पिंक शौचालय का निर्माण भी करवाया जाना प्रस्तावित है उस पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। रतननगर में पिंक शौचालय के निर्माण पर पार्षद ओम प्रकाश जांगिड़ ने पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर और ईओ सुश्री संजू खोड़ का आभार व्यक्त किया गया। बैठक में नगरपालिका के पालिकाध्यक्ष निकिता गुर्जर सहित 20 सदस्यों में से 18 सदस्य बैठक में उपस्थित रहें। बैठक के दौरान कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार भी उपस्थित रहें।

# दरगाह रोशन अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का 128वां उर्स सम्पन्न

## -मुल्क में अम्नोशान्ति, तरक्की, खुशहाली व कौमी एकता के साथ हुआ उर्स का समापन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। उदयमन्दिर आसन स्थित हजरत रोशन अली शाह दुर्वेश रहमतुल्लाह अलैय का 128 वां उर्स पूरे अहतराम के साथ सम्पन्न हुआ। दरगाह कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद रमजान कुरैशी (भूरजी) ने बताया कि उर्स के पहले दिन सन्दल शरीफ व झण्डे की रस्म हुई और देर रात मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ जिसमें प्रतापनगर फैजे आम मस्जिद के इमाम मौलाना साजिद हुसैन रिज्वी व रोशन नूरी मस्जिद भिश्तियान उदयमन्दिर के पेश इमाम मोहम्मद इमरान मिस्बाही ने समाज सुधार विषय पर शानदार तकरीर की तथा आईजी ग्रुप के जरिये मदरसा रोशन इस्लामिया के स्टूडेन्ट एवं अब्बासी समाज के होनहार विद्यार्थियों का सम्मान समारोह भी रखा गया। दरगाह कमेटी सचिव नईम मोहम्मद भाटी ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन कुरआनखानी व झण्डा जुलूस के साथ चादर शरीफ की रस्म अदा की गई। देर रात जोधपुर के मशहूर पगड़ीबन्द कव्वाल जफर अमीन साबरी, कव्वाल शौकत नदीम अन्दाज व टीम ने बेहतरीन सूफीयाना कलाम से शमा बांधा और अपने कलाम के जरिये लोगों को बेहतरीन इंसान बनने व

एक-दूसरे के काम आने का पैग़ाम दिया। सहसचिव न्याज मोहम्मद भाटी ने बताया कि उर्स के तीसरे दिन दिल्ली के प्रसिद्ध कव्वाल चादं अफजल कादरी ने अपने कलाम से नमाज अदा करने, कुरान पढने व नबी की सुन्नतों पर ज़िन्दगी गुजारने का लोगों को पैगाम दिया। जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।

सज्जादाह नशीन हजरत पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी ने कहा कि उर्स के आखरी चौथे दिन कुल की रस्म हुई कव्वाल शौकत अंदाज ने खूबसूरत कलाम से दाद बटोरी। कव्वाल जफर अमीन साबरी के रंग पढने के साथ उर्स का समापन हुआ। अंत में उर्स में सहयोग करने वाले समाजसेवियों, भामाशाहों एवं अतिथियों को अब्बासी समाज के प्रबुद्धजनों की ओर से माला व साफा से सम्मानित किया गया। दरगाह कमेटी के कैशियर अब्दुल हमीद पापाजी ने कहा कि दरगाह हजरत रोशन अली शाह के पीर नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी ने मुल्क में अम्नोशान्ति, तरक्की व खुशहाली की विशेष दुआ कराई। उर्स के सफल आयोजन में दरगाह कमेटी के नायब सदर पिन्टू बैलिम, सहसचिव न्याज मोहम्मद भाटी, प्रचार मंत्री शकील पंवार, सलाहकार मंत्री मुस्तफा मुगल, कमेटी सरपरस्त अब्दुल अजीज, कमेटी सदस्य सेमु सैद, रोजी लंगा, इस्हाक सामरिया, मोईनुद्दीन सामरीया, मजीद समारिया, चांद सैद, आसिफ कुरैशी, आबिद बैलिम, शहिद बैलिम, आसिफ खिदमत गुजार, मुनव्वर गौरी सहित कमेटी के पदाधिकारी एवं कौम अब्बासियान से जुड़े बुजुर्ग, सरपरस्त, युवा व आस-पास के कई लोगों का खास सहयोग रहा।

# दुधवाखारा गांव से हाइवे व रेलवे स्टेशन तक की सड़क को चौड़ा करके दुबारा बनवाने के लिए राजस्थान सरकार के नाम दिया ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम दुधवाखारा में जन सेवा समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें अध्यक्ष डॉ. मुस्तकीम शेख, सचिव दयाराम कस्वा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र बुडानिया एवं सदस्य ने कहा चूरू जिले का सबसे बड़ा व विरासित गाँव है। यहां उपतहसील कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीनियर सेकेंडरी स्कूल व अन्य कार्यालय भी हैं, जिससे आस पास के काफी गांव जुड़े हुए हैं। इस सबके बावजूद यह गांव संपर्क मार्ग सही नहीं होने के कारण उपेक्षित रहा है। यहां से हाइवे व रेलवे स्टेशन आठ किलोमीटर दूर है। रेलवे स्टेशन से गांव तक पुरातन समय में सेठ साहूकारों द्वारा सड़क बनवाई गई थी, जो कि अब बहुत ही क्षतिग्रस्त हो गई है तथा इसकी चौड़ाई भी बहुत कम वाहनों का आवागमन बहुत ज्यादा है। अभी इस सड़क के पेचवर्क के लिए स्वीकृति दी गई है। पूर्व में भी कई बार पेचवर्क किया गया था पर कुछ ही समय बाद सड़क फिर उखड़ जाती है। यह सड़क गांव से जिला मुख्यालय व अन्य जगहों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग है। अतः राजस्थान सरकार और प्रशासन को अवगत कराया सभी ग्राम वासियों की ओर से निवेदन है कि इस सड़क को चौड़ा करके दुबारा बनवाने के लिए राजस्थान सरकार को जिला प्रशासन को जनसेवा विकास समिति, दुधवाखारा द्वारा अवगत करवाया और उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, अभिषेक सुराणा, जिला कलेक्टर चूरू, हरलाल सहारण विधायक चूरू, राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व तयर्व नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान सरकार एवं राहुल कस्वां, सांसद चूरू को ज्ञापन दिया गया।

# अरमान खान अल्फखानी ने नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में कीया क्वालिफाइड

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के अरमान खान अलफखानी पिता अकरम खान अलफखानी सैनिक बस्ती चुरू का डॉक्टर करणी सिंग शूटिंग रेंज न्यू दिल्ली में आयोजित नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में 10 मीटर एरिया पिस्टल के जुनियर स्टेज में बेहतरीन अंकों से नेशनल क्वालीफाई कर के परिवार/कौम और शहर का नाम

रोशन करने पर उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

# सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत मैकेनिक एवं वर्कशॉप स्टाफ को किया गया जागरूक

बारां (रॉयल पत्रिका) । सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा द्वारा टाटा मोटर्स वर्कशॉप एवं महिंद्रा वर्कशॉप में कार्यरत व्हीकल मैकेनिक एवं उनके स्टाफ को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. कल्पना शर्मा ने वर्कशॉप में उपस्थित मैकेनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्कशॉप में आने वाले प्रत्येक वाहन की तकनीकी स्थिति की सही एवं ईमानदार जानकारी वाहन चालक को देना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी खामी के कारण सड़क दुर्घटना न हो। उन्होंने कहा कि ब्रेक, लाइट, टायर, स्टीयरिंग, इंडिकेटर सहित वाहन के सभी सुरक्षा संबंधी उपकरणों की जांच कर वाहन चालक को सही मार्गदर्शन देना मैकेनिकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने मैकेनिकों से आग्रह किया कि वे वाहन चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट, सीट बेल्ट एवं वाहन रखरखाव के प्रति भी जागरूक करें। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता हुकुम चंद मीणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है। थोड़ी-सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यदि वाहन तकनीकी रूप से सही स्थिति में रहेगा तो दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी। उन्होंने सभी से सड़क सुरक्षा अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वर्कशॉप स्टाफ ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा वाहन चालकों को जागरूक करने का संकल्प लिया। जिला परिवहन विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

# नियमित अध्ययन के साथ खेल भी जरूरी- चौधरी

## -रेनबो स्कूल में स्पोर्ट्स फेस्ट का हुआ आगाज, विभिन्न खेल गतिविधियो का हुआ आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। नया गाँव स्थित रैंबो पब्लिक स्कूल पाली में स्पोर्ट्स फेस्ट का समारोह पुर्वक आगाज हुआ। जिसमें विभिन्न खेल गतिविधियो का आयोजन हुआ। निर्देशक राजेंद्र आर्य ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट निलेश चौधरी, विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र आर्य, निर्देशक राजेंद्र आर्य, श्रीमती सरोज आर्य, श्रीमती मनीषा आर्य द्वारा मां सरस्वती को दीप प्रज्वलन करके की गई। इसके पश्चात विद्यालय के सभी हाउस अरावली हाउस, विंध्या हाउस, शिवालिक हाउस तथा नीलगिरी हाउस के विद्यार्थियों द्वारा परेड की गई तथा मुख्य अतिथि महोदय को सलामी दी गई। मुख्य अतिथि निलेश चौधरी द्वारा खेल को सही भावना के साथ में खेलने के लिए विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गई। सभी विद्यार्थी अत्यंत उत्साहित दिखे। विधार्थियो के लिए हुई इंटर हाउस प्रतियोगिताएँ: विद्यालय के खेल प्रभारी शाहनवाज राठौड़ व सुश्री दिव्या भट्ट के नेतृत्व में कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थियों को लेमन स्पून रेस, सैक रेस, रिले रेस, बेलून रेस, म्यूजिकल चेयर, बुक बैलेंसिंग, कोन बैलेंसिंग, फ्रॉग रेस, क्रॉसिंग रेस, बाइंडिंग पेस्टिंग, कलेक्ट द कोन, थ्री लेग रेस, बॉल बिटवीन द लेग व खो-खो खेल की इंटर हाउस प्रतियोगिताएँ हुई। कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए वॉलीबाल, बास्केट बॉल, कब्बडी, खो-खो, बैडमिंटन, टग ऑफ वार, 50 मीटर रेस व 100 मीटर रेस की इंटर हाउस खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। अतिथियो ने अनुभव किए साझा - कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चौधरी ने खेल से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव बताते हुए सभी अध्यापक गणों को भी शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के प्रति अपने अभिप्रेरक विचारों जागरूक किया। प्रधानाचार्य डॉ. आर्य द्वारा सभी विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु अभिप्रेरित करते हुए पाठ्यक्रम के साथ खेल गतिविधि के होने के लाभ की जानकारी दी। निदेशक राजेंद्र आर्य द्वारा सभी विद्यार्थियों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

# नगर परिषद क्षेत्र में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्रारम्भ, काश्तकार बनवाएं फार्मर आईडी

बारां (रॉयल पत्रिका)। तहसीलदार दशरथ मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील क्षेत्र बारां में नगर परिषद के अन्तर्गत आने वाले सभी ग्रामों में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। इस संबंध में उन्होंने क्षेत्र के समस्त काश्तकारों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाएं। तहसीलदार मीणा ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री के लिए पात्र काश्तकारों को नवीनतम जमाबंदी की प्रति, आधार कार्ड तथा आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर वाला फोन साथ लेकर संबंधित ग्राम के पटवारी अथवा नजदीकी ई-मित्र केन्द्र से संपर्क करना होगा। निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करने पर फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। उन्होंने कहा कि फार्मर आईडी बनवाना किसानों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आवश्यक है। अतः सभी पात्र काश्तकार समय रहते फार्मर रजिस्ट्री करवाकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

## 'डॉन 3' की शूटिंग के लिए रणवीर सिंह ने शुरू की तैयारी, विक्रांत मैसी के भी लौटने की चर्चा

रणवीर सिंह अब 'धुरंधर' के बाद 'डॉन 3' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। सोर्स के हवाले से बताया गया है कि उन्होंने एक्शन की तैयारी शुरू कर दी है। साछ ही विक्रांत मैसी भी लौट आए हैं। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ दिए हैं। इसने अब तक 550 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। रणवीर सिंह जो इस मूवी में लीड रोल में हैं, उनकी भी जमकर तारीफ हो रही है। अब इस फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने के बाद एक्टर को पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ हाथ थामे हुए पहली बार स्पॉट किया गया। वह दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए। इसी बीच चर्चा तेज हो गई है कि एक्टर ने अगली फिल्म 'डॉन 3' की शूटिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। दरअसल, अगस्त, 2023 में शाहरुख खान की मूवी 'डॉन' की तीसरी किश्त का ऐलान हुआ था। जिसमें रणवीर सिंह के लीड रोल में होने की बात कही गई थी। इसका टीजर भी जारी हुआ था, और उसमें 'धुरंधर' एक्टर को 'जवान' अभिनेता की जगह पर दिखाया गया था। जिससे कुछ लोग नाखुश भी हुए थे। खैर। फिल्म की शूटिंग जनवरी, 2025 में शुरू होने की उम्मीद थी लेकिन डायरेक्टर फरहान अख्तर की पहले से कुछ कमिटमेंट्स थीं, जिसकी वजह से ये मूवी फ्लोर पर नहीं आ सकी थी।

## 'फिल्म स्त्री पर कोई पैसा लगाने को तैयार नहीं था': प्रोड्यूसर दिनेश विजान बोले- मूवी के टाइटल पर ही लोगों को परेशानी थी

फिल्म प्रोड्यूसर दिनेश विजान की नई फिल्म इक्कीस 1 जनवरी को रिलीज होने वाली है। विजान ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले कॉकटेल, बदलापुर, हिंदी मीडियम, स्त्री, लुका छुपी और छावा जैसी कई फेमस फिल्में बनाई हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि उनकी सुपरहिट फिल्म स्त्री पर पैसे लगाने के लिए कोई तैयार नहीं था।पीटीआई के साथ बातचीत में विजान ने कहा, 'पिछले तीन साल हमारे लिए शानदार रहे हैं। स्त्री नंबर वन हिंदी फिल्म बनी। यह कोई सोच भी नहीं सकता था। जब हमने स्त्री की पहली फिल्म बनाई थी, तब कोई भी उसे फंड करने को तैयार नहीं था। इसलिए मुझे फिल्म अपने दम पर बनानी पड़ी। 'उन्होंने बताया कि लोगों को फिल्म के टाइटल से ही परेशानी थी। कई लोगों ने कहा था कि स्त्री नाम की फिल्म नहीं चलेगी। इसी वजह से कोई निवेश करने के लिए आगे नहीं आया। इसके बावजूद उन्होंने फिल्म बनाई और नतीजा सबके सामने है। विजान ने कहा कि इसके बाद फिल्म छावा आई, जो दूसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बन गई। इससे ज्यादा और क्या मांगा जा सकता है। इन फिल्मों की सफलता ने उन्हें इक्कीस और महावतार जैसी बड़ी और साहसी फिल्मों पर काम करने की आजादी दी है। करीब 25 करोड़ रुपए के बजट वाली फिल्म 'स्त्री' ने डेढ़ सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की थी। फिल्म स्त्री साल 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया था, जबकि इसे दिनेश विजान, राज निदिमोरू और कृष्णा डीके ने प्रोड्यूस किया था।

# सामंथा रुथ प्रभू के साथ भीड़ में हुई बदसलूकी

**धक्का-मुक्की के बीच भीड़ में फंसी, कभी लड़खड़ाईं, कभी साड़ी खींची गई**

सामंथा हाल ही में एक पब्लिक इवेंट का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्हें भीड़ ने घेर लिया। एक्ट्रेस को सही सलामत अपनी कार तक पहुंचने में काफी स्ट्रगल करना पड़ा। रविवार को एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू हैदराबाद में एक साड़ी शोरूम की ओपनिंग से जुड़े इवेंट का हिस्सा बनी थीं। इवेंट में सामंथा को देखने के लिए भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। कई फैंस उनके काफी करीब आ गए। एक्ट्रेस के बॉडीगार्ड ने जैसे-तैसे घेरा बनाकर भीड़ को एक्ट्रेस के नजदीक आने से रोका, इस दौरान एक्ट्रेस कई बार लड़खड़ा गईं। कहीं उनकी साड़ी भी खींची गई। धक्का-मुक्की के बीच किसी तरह सामंथा बचते-बचाते मंच तक पहुंची थीं। साड़ी के शोरूम के लॉन्च इवेंट के बाद सामंथा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से अपने लुक की कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों के साथ सामंथा ने लिखा, एक्शन से भरपूर शूटिंग शेड्यूल के बाद, चोटें, खून और दर्द झेलने के बावजूद, हमने खुद को हैरानी से काफी अच्छे तरीके से संभाल लिया, हालात को देखते हुए।

# करिश्मा तन्ना

## लंबी हाइट की वजह से मिला रिजेक्शन

**फिल्म हिट होने के बाद भी डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं**

चमचमाते पर्दे पर ग्लैमर और रंगीन दुनिया की तरफ आकर्षित होना आसान है, लेकिन उस आसमान में खुद को सितारा बनकर चमचमाता देखना बहुत मुश्किल है, खासकर अभिनेत्रियों के लिए। कुछ अभिनेत्रियों के लिए हिंदी सिनेमा या टीवी की दुनिया में आना आसान रहा, लेकिन कुछ को रंग, रूप और लंबी हाइट के लिए रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। उन्हीं में से एक हैं टीवी से लेकर फिल्मों में काम करने वाली करिश्मा तन्ना, जिन्हें अपनी लंबी हाइट की वजह से कई टीवी सीरियल में काम करने का मौका नहीं मिला। करिश्मा तन्ना ने कभी नहीं सोचा था कि वो टीवी सीरियल या फिल्मों की तरफ रुख करेंगी। अभिनेत्री ने कॉलेज के समय अपने दोस्तों के कहने पर फोटोग्राफी के सेशन में भाग लिया और फिर शुरू हुआ मॉडलिंग का सिलसिला। मॉडलिंग प्रोजेक्ट के फोन आने लगे और उन्हीं में से एक कॉल बालाजी प्रोडक्शन हाउस की तरफ से था। तन्ना को फोन कॉल के जरिए अपना पहला शो मिला और पहली बार में ही उन्हें सेलेक्ट कर लिया गया। करिश्मा को 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में देखा गया, जिसके बाद वे साल 2003 में टीवी सीरीज 'कोई दिल में है' में नजर आईं। साल 2005 के टीवी शो 'एक लड़की अंजानी सी' में उन्होंने निगेटिव रोल भी प्ले किया और फिर 'प्यार के दो नामः एक राधा, एक श्याम' का हिस्सा रहीं। टीवी में ठीक-ठाक काम करने के बाद, उन्होंने फिल्मों में काम ढूंढना शुरू किया, क्योंकि ज्यादातर सीरियल में वे साइड रोल में नजर आईं। फिल्मों में भी उन्हें छोटे और साइड रोल भी ऑफर हुए और पहचान बनाना मुश्किल हो गया। 2013 में आई 'ग्रैंड मस्ती' उनकी पहली फिल्म थी, जिसके बाद, 'टीना एंड लोलो' और रणबीर कपूर की फिल्म 'संजू' में नजर आईं। फिल्म 'संजू' उनके करियर की सबसे हिट फिल्मों में से एक थी, लेकिन 'संजू' करने के बाद उन्हें काम मिलना बंद हो गया। 1 साल तक करिश्मा ने घर में समय काटा और डिप्रेशन का शिकार हो गई।

### टीवी की 'कशिश' ने दो साल झेला डिप्रेशन का दर्द, खो बैठी थी उम्मीद, याद कर हुई इमोशनल

कहीं तो होगा सीरियल में कशिश की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली आमना शरीफ किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और स्ट्रगल के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। कहीं तो होगा सीरियल में कशिश की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली आमना शरीफ किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और स्ट्रगल के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। आमना शरीफ एक दौर में टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक थीं। छोटे पर्दे पर एक्टिंग का जलवा बिखेरने के बाद एक्ट्रेस ने बड़े पर्दे का रुख किया. हालांकि, उन्हें सफलता हासिल नहीं हुई। आमना ने उस बुरे वक्त का जिक्र किया, जब वो डिप्रेशन में चली गई थीं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बेटा जब बहुत छोटा था, उस वक्त उन्होंने अपनी मां को खो दिया था। ये उनकी लाइफ का सबसे बुरा दौर था।

## निक जोनास पर चढ़ा बॉलीवुड का खुमार, 'आप जैसा कोई' गाने पर प्रियंका संग जमकर थिरके

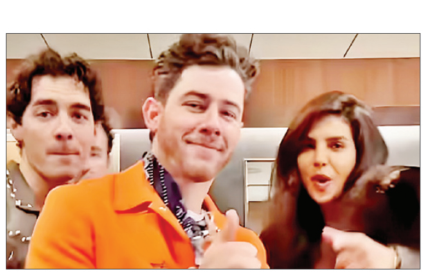

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास अक्सर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। दोनों अपनी लाइफ के खूबसूरत पल, फैमिली टाइम और बॉलीवुड के गानों पर वीडियो शेयर करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ निक ने सोमवार को किया। दरअसल, निक ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और एनर्जेटिक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में निक, उनके भाई और खुद प्रियंका बॉलीवुड के मशहूर सॉन्ग 'आप जैसा कोई' पर थिरकते नजर आ रहे हैं। वहीं, निक ने इस गाने को पार्टी सॉन्ग बताया, जिसे देख फैंस भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट कर निक ने कैप्शन दिया,'आज के शो से पहले माहौल बनाने वाला गाना। ' फैंस को निक की पोस्ट काफी पसंद आ रही हैं। वे कमेंट सेक्शन पर प्यार लुटा रहे हैं, साथ ही हार्ट और फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। प्रियंका-निक की जोड़ी हमेशा फैंस को एंटरटेन करती रहती है। वे अक्सर सोशल मीडिया पर बॉलीवुड के गानों पर वीडियो शेयर करते रहते हैं। वहीं, निक ने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें बॉलीवुड के गाने और डांस काफी पसंद हैं और उनमें डांस करना काफी आसान रहता है। ऐसा पहली बार नहीं है जब निक बॉलीवुड के गाने पर थिरकते दिख रहे हैं। इससे पहले वे स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' और 'वॉर-2' के सॉन्ग 'आवन जावन' पर डांस कर वीडियो शेयर कर चुके हैं। बता दें कि सॉन्ग 'आप जैसा कोई' साल 1980 की फिल्म 'कुर्बानी' में फिल्माया गया था। गाने को नाजिया हसन ने अपनी आवाज से सजाया था और लिरिक्स श्यामलाल ने दिए थे, जबकि म्यूजिक डायरेक्ट बिद्दु ने किया था। यह एक पार्टी सॉन्ग है, जिसे जीनत अमान ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सजाया था।

## धुरंधर की बॉक्स ऑफिस पर दहाड़

### रणबीर की 'एनिमल' को चटाई धूल, ऑल-टाइम टॉप 10 में बनाई जगह

'धुरंधर' ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस कमाई में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिलीज़ के तीसरे शनिवार तक, फिल्म ने 790.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जिससे सोमवार को इसके 800 करोड़ रुपये के मील के पत्थर तक पहुंचने की संभावना है। शुक्रवार को जेम्स कैमरन की अवतार फायर एंड ऐश जैसी बड़ी रिलीज़ के बावजूद, धुरंधर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। फिल्म ने तीसरे शनिवार को रिकॉर्ड तोड़ कमाई करते हुए लगभग 33.5 करोड़ रुपये कमाए और इसका कुल भारत नेट कलेक्शन 516.5 करोड़ रुपये हो गया। धुरंधर से पहले, तीसरे शनिवार को सबसे ज़्यादा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन का रिकॉर्ड छावा (22 करोड़ रुपये) के नाम था, जिसके बाद पुष्पा 2 (20 करोड़ रुपये) थी। धुरंधर की तरह, दोनों फिल्मों ने ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर का दर्जा हासिल किया था। इसके अलावा 'धुरंधर' ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस कमाई में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिलीज़ के तीसरे तक, फिल्म ने 790.75 करोड़ रुपये कमाए थे, जिससे इसके 800 करोड़ रुपये के मील के पत्थर तक पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही, धुरंधर ने भारत के नेट कलेक्शन के आधार पर अब तक की टॉप दस भारतीय फिल्मों में जगह बना ली है।

## अगले साल दस्तक देगी अजय देवगन की 'दृश्यम - 3', सामने आई फिल्म की पहली झलक

सस्पेंस और थ्रिलर से भरी अजय देवगन की मचअवेटेड फिल्म 'दृश्यम 3' के रिलीज डेट से मेकर्स ने पर्दा उठा दिया है। फिल्म अगले साल अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज डेट के साथ-साथ मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा वीडियो भी शेयर किया है जिससे दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गई है। अजय देवगन ने फिल्म की पहली झलक और रिलीज की तारीख के बारे में जानकारी दी है। 2015 में पहली बार सिनेमाघरों में 'दृश्यम' रिलीज हुई थी और फिल्म को इतना पसंद किया गया है कि आज फिल्म के तीसरे पार्ट की झलक रिलीज की गई है। 'दृश्यम' -3 की जानकारी देते हुए अजय देवगन ने फिल्म से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है जिसके सीन और डायलॉग दोनों की सस्पेंस को बढ़ा रहे हैं। वीडियो में विजय सलगांवकर बने अजय देवगन कहते हैं, 'दुनिया मुझे कई नामों से बुलाती है, लेकिन मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि पिछले सात सालों में जो कुछ हुआ, जो कुछ दिखाया, जो कुछ किया, उससे मुझे एक बात समझ आई कि दुनिया में हर किसी का सच अलग है, हर किसी का सच अलग है, मेरा सच और मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है। जब तक सब थक नहीं जाते, जब तक हार नहीं जाते, मैं यहीं खड़ा हूं चौकीदार बनकर, पहरेदार बनकर और एक दीवार बनकर, क्योंकि कहानी का आखिरी हिस्सा बाकी है। 'फिल्म अगले साल 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वीडियो में तब्बू की झलक भी दिखाई गई है, जो एक बार फिर दमदार पुलिस अधिकारी के रोल में दिखने वाली है। बता दें कि इसी साल सितंबर के महीने में साउथ अभिनेता मोहनलाल ने मलयालम भाषा में 'दृश्यम' -3 की शूटिंग शुरू कर दी थी। उस वक्त फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि इस बार फिल्म के हिंदी राइट्स नहीं दिए जाएंगे, लेकिन बाद में फिल्म की सक्सेस को देखकर मेकर्स ने फिल्म को हिंदी वर्जन के साथ बनाने का फैसला किया।

# न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया

● *तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती*

**नई दिल्ली, एजेंसी।** न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था।

माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्वेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्वेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा।

न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

# स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास

### इस मुकाम तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

**विशाखापट्टनम, एजेंसी।** विशाखापट्टनम के क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए भारत बनाम श्रीलंका महिला टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने जहां शानदार जीत दर्ज की, वहीं यह मैच स्मृति मंधाना के नाम एक ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए भी यादगार बन गया। बाएं हाथ की इस स्टार ओपनर ने टी20 0 इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर इतिहास रच दिया, जिससे वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई।

### भारत की मजबूत शुरुआत

श्रीलंका ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष किया और 20 ओवर में सिर्फ 121/6 रन ही बना सकी। जवाब में भारत को जीत के लिए 122 रनों का आसान लक्ष्य मिला। इसी रनचेज के दौरान स्मृति मंधाना ने वह कारनामा किया, जिसका लंबे समय से इंतजार था।

### मंधाना का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मैच से पहले स्मृति मंधाना टी20 में 4000 रन पूरे करने से महज 18 रन दूर थीं। उन्होंने पांचवें ओवर में अपने चिर-परिचित कवर ड्राइव के जरिए चौका जड़ते हुए यह ऐतिहासिक रन पूरा किया। 29 वर्षीय स्मृति अब महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4716 रन) हैं। माना जा रहा है कि मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए स्मृति आने वाले समय में यह विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकती हैं।

### महिला टी20 में सबसे ज्यादा रन (टॉप-5):

सूजी बेट्स - 4716
स्मृति मंधाना - 4000*
हरमनप्रीत कौर - 3654
चामरी अथापथ्थु - 3473
सोफी डिवाइन - 3431

भारत की गेंदबाजी ने रखी जीत की नींव

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को बांधकर रखा। दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़ और श्री चरणी ने एक-एक विकेट झटका, जबकि डेब्यू कर रहीं वैष्णवी शर्मा ने चार ओवर में सिर्फ 16 रन देकर प्रभावित किया। श्रीलंकाई बल्लेबाज धीमी पिच पर लय हासिल नहीं कर सकीं और बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहीं।

### जीत के साथ यादगार शाम

स्मृति मंधाना की ऐतिहासिक उपलब्धि और भारत की आसान जीत ने इस मुकाबले को खास बना दिया। टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है, जबकि स्मृति ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी मैच-विनर और रिकॉर्ड ब्रेकर खिलाड़ियों में शामिल हैं। अब नजरें अगले मुकाबले पर होंगी, जहां भारत इस लय को बरकरार रखना चाहेगा और स्मृति अपने नए रिकॉर्ड में और रन जोड़ने उतरेंगी।

रोहित शर्मा ने किया खुलासा

# वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार के बाद टूट गए थे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाले खुलासा करते हुए कहा कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से दिल तोड़ने वाली हार के बाद टूट गए थे और रिटायरमेंट का मन बना लिया था क्योंकि उन्हें 'लगा कि इस खेल ने मुझसे सब कुछ छीन लिया है।'

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने घर पर उस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और लगातार 9 जीत के साथ फाइनल में पहुंची। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने सबसे महत्वपूर्ण मैच में उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया जिसमें ट्रैविस हेड ने मैच जिताने वाला शतक बनाया। मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम में रोहित ने कहा, '2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से टूट गया था और मुझे लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ नहीं बचा है। इसमें कुछ समय लगा और मैं खुद को याद दिलाता रहा कि यह कुछ ऐसा है जिससे मुझे सच में प्यार है, यह मेरे सामने था, और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता था। धीरे-धीरे, मैंने अपना रास्ता वापस पाया, एनर्जी वापस पाई और मैदान पर खुद को फिर से आगे बढ़ाया।' पूर्व कप्तान ने आगे कहा, 'हर कोई बहुत निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस वर्ल्ड कप में सब कुछ लगा दिया था, न सिर्फ दो या तीन महीने पहले, बल्कि जब से मैंने 2022 में कप्तानी संभाली थी।'

रोहित टी20 और टेस्ट से रिटायर हो चुके हैं और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे कप्तानी से हटा दिया गया था, 50 ओवर का फॉर्मेट खेलना जारी रखे हुए हैं और 2027 वर्ल्ड कप में एक आखिरी कोशिश के साथ अपने करियर को खत्म करना चाहेंगे। रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना था, चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या 2023 वर्ल्ड कप।

इसलिए जब ऐसा नहीं हुआ, तो मैं पूरी तरह से टूट गया था। मेरे शरीर में कोई एनर्जी नहीं बची थी। मुझे ठीक होने और खुद को वापस लाने में कुछ महीने लग गए।' अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया से उस हार के एक साल से भी कम समय बाद रोहित ने भारतीय टीम को अमेरिका में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया, लेकिन नवंबर 2023 की हार के दर्द से उबरना बहुत मुश्किल था।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज में इतना ज्यादा इन्वेस्ट करते हैं और नतीजा नहीं मिलता, तो यह एक बहुत ही स्वाभाविक रिएक्शन होता है। मेरे साथ भी ठीक वैसा ही हुआ। लेकिन मुझे यह भी पता था कि जिंदगी वहीं खत्म नहीं होती। यह मेरे लिए एक बड़ा सबक था कि निराशा से कैसे निपटना है, रीसेट करना है और नई शुरुआत करनी है। मुझे पता था कि कुछ और आने वाला है, और वेस्ट इंडीज में 2024 का टी20 वर्ल्ड कप और मुझे अपना सारा फोकस उस पर शिफ्ट करना था। यह बात अब कहना बहुत आसान है, लेकिन उस समय यह बहुत मुश्किल था।'

## सूजी बेट्स 3 महीनों के लिए क्रिकेट मैदान से बाहर, जानिए क्या है वजह?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** न्यूजीलैंड की महिला बल्लेबाज सूजी बेट्स मार्च तक घरेलू समर सीजन से बाहर हो गई हैं। बेट्स को क्वाड्रिसेप्स में चोट लगी है। वह बीते महीने हैलिबर्टन जॉनस्टोन शील्ड मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हुई थीं। स्कैन के बाद सूजी बेट्स की चोट की गंभीरता का पता चला। उन्हें इससे उबरने के लिए तीन महीने के रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी, जिसका मतलब है कि बेट्स घरेलू समर सीजन के शेष मुकाबलों के लिए ओटागो और फरवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ व्हाइट फर्न्स की घरेलू सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। हालांकि, बेट्स ने स्पष्ट कर दिया है कि वह मार्च में साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड टी20 और वनडे सीरीज में उपलब्ध रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने कहा, 'मैं इस समर सीजन में नहीं खेल पाने से बहुत दुखी हूं। मैं स्पार्क्स के साथ एक और सीजन खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी, खासकर सुपर स्मैश में खेलना चाहती थी। मैं मार्च में व्हाइट फर्न्स के साथ मैदान पर वापस आना चाहूंगी, इसलिए अभी मेरा ध्यान इसी पर रहेगा। सुपर स्मैश की शुरुआत 26 दिसंबर से होगी। पहला मुकाबला सेडन पार्क में मेजबान नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स और ऑकलैंड के बीच शुरू होगा। 38 वर्षीय बेट्स राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हैं, जिन्होंने साल 2013 में 'आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार जीता था। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली न्यूजीलैंड की महिला बल्लेबाज हैं। सर्वाधिक बैटिंग औसत के मामले में भी वह अव्वल हैं।

वर्ल्ड टूर फाइनलः

## विश्व रिकॉर्ड बराबरी के साथ एन से-यंग ने जीता 11वां खिताब, पुरुषों में पोपोव की जीत

**हांग्जो, एजेंसी।** साउथ कोरिया की एन से-यंग ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में चीन की वांग झियी को 21-13, 18-21, 21-10 से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन को शिकस्त देकर एन से-यंग ने सीजन का अपना 11वां टाइटल जीत लिया है। इसी के साथ एन से-यंग ने एक सीजन में सर्वाधिक टाइटल जीतने के मामले में जापानी मेंस सिंगल्स लीजेंड केंटो मोमोटा की बराबरी कर ली है।

96 मिनट तक चले इस रोमांचक मैच को जीतने के बाद एन ने कहा, 'मैं सच में बहुत खुश और खुद पर गर्व महसूस कर रही हूं।' वहीं, खिताबी मुकाबले को गंवाने के बाद वांग झियी ने स्वीकारा है कि इस मुकाबले में उनकी ऊर्जा कम हो गई थी, जिसकी वजह से गलतियां हुईं। दूसरी ओर, मेंस सिंगल्स फाइनल में उलटफेर देखने को मिला। फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने चीन के नए वर्ल्ड चैंपियन शि यूकी को 21-19, 21-9 से शिकस्त दी। साल 2018 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से पहली बार किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी ने यह खिताब जीता है। 23 वर्षीय पोपोव ने सीजन के आखिर में खेले गए टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। पोपोव ने अपने ग्रुप में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां जापान के कोडाई नाराओका को मात दी।

मेंस डबल्स में साउथ कोरिया के डिफेंडिंग चैंपियन किम वोन-हो और सियो सेउंग-जे ने लियांग वेइकेंग और वांग चांग को 21-18, 21-14 से मात दी।

वहीं, महिला डबल्स फाइनल में साउथ कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही ने जापान की युकी फुकुशिमा और मायू मात्सुमोतो को 21-17, 21-11 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताब जीता।

## दो दिग्गज रेसलर जॉन सीना और गोल्डबर्ग को डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिटायर कर चुके

### क्या अब ब्रॉक लेस्नर की बारी?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गुंथर आज डब्ल्यूडब्ल्यूई के उन चुनिंदा रेसलरों में हैं, जिन्हें लीजेंड्स के फेयरवेल मोमेंट्स, ऐतिहासिक टाइटल रन और भविष्य की मेन-इवेंट तस्वीर, तीनों से जोड़ा जा रहा है। गोल्डबर्ग का अध्याय बंद हो चुका है, जॉन सीना अपना आखिरी मैच खेल चुके हैं और ब्रॉक लेस्नर का भविष्य अनिश्चित है। इन सबके बीच गुंथर डब्ल्यूडब्ल्यूई के नए युग की ठोस, तथ्यात्मक पहचान बन चुके हैं।

गुंथर ऑस्ट्रिया में जन्मे प्रोफेशनल रेसलर हैं, जो वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट यानी डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने सख्त, अनुशासित और पावर रेसलिंग स्टाइल के लिए जाने जाते हैं। उनका असली नाम वॉल्टर हान है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में आने से पहले उन्होंने यूरोपियन इंडिपेंडेंट सर्किट और एनएक्सटी यूके में लंबा समय बिताया, जहां उन्होंने खुद को तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत रेसलर के रूप में स्थापित किया। गुंथर को मौजूदा पीढ़ी के उस रेसलर के रूप में देखा जा रहा है, जिनके खिलाफ मुकाबले डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गजों के अंतिम अध्याय का अहम हिस्सा बने। उनकी सख्त इन-रिंग शैली और मजबूत बुकिंग ने उन्हें लीजेंड्स के फाइनल रन से जोड़ दिया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई मेन रोस्टर में आने के बाद गुंथर को 'द रिंग जनरल' के नाम से पेश किया गया।

# भारत ने पहले एशियन लेजेंड्स कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मौका

**रायपुर, एजेंसी।** बोर्ड फॉर वेटरन क्रिकेट इन इंडिया ने आधिकारिक तौर पर पहले एशियन लेजेंड्स कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है जो 28 जनवरी से 4 फरवरी तक चियांग माई, थाईलैंड में होने वाला है। एशियन लेजेंड्स कप 40 साल और उससे ज़्यादा उम्र के वेटरन क्रिकेटरों के लिए अपनी तरह की पहली कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप है और इसमें छह एशियाई टीमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और हांगकांग हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि भारत की वेटरन टीम पहली बार एशिया-स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। मनप्रीत गोनी को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि जतिन सक्सेना को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम का चयन हाल ही में हुए इंटर-जोनल वेटरन टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है और इसमें देश भर के अनुभवी घरेलू खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है। टीम की घोषणा के बारे में बात करते हुए अधिकारियों ने कहा कि यह टीम भारत के वेटरन क्रिकेट इकोसिस्टम की गहराई और ताकत को दिखाती है, जो दो दशकों से ज़्यादा समय से सक्रिय है। एशियन लेजेंड्स कप को रिटायर हो चुके क्रिकेटरों को एक प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने और पूरे महाद्वीप में वेटरन क्रिकेट को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

एशियन लेजेंड्स कप के सालाना आयोजन बनने की उम्मीद है और इस कॉन्सेप्ट को और आगे बढ़ाने की योजनाएं चल रही हैं, जिसमें संभावित वेटरन्स वर्ल्ड कप भी शामिल है।

### एशियन लेजेंड्स कप 2026 (थाईलैंड) के लिए भारतीय टीम :

मनप्रीत गोनी (कप्तान), जतिन सक्सेना (उप-कप्तान), शादाब जकाती, अमरदीप सोनकर, अजीत चंदेल, विजय सिंह, परविंदर सिंह, कपिल राणा, मोहम्मद कलीम खान, दीपक शर्मा (विकेटकीपर), प्रवीण थापर, विक्रम बत्रा (विकेटकीपर), नईम, बल राज, गौरव सचदेवा, नरेंद्र मीना, लोकेश जैन, विनीत बंसल। अतिरिक्त खिलाड़ी : चंद्रशेखर खुंटे।

बैजबॉल की हवा निकली!

## एशेज में करारी हार के बाद इंग्लिश टीम पर बरसे माइकल वॉन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंग्लिश टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में 82 रनों से हार झेलनी पड़ी थी. एडिलेड टेस्ट में हार के साथ ही इंग्लैंड की टीम ने एशेज सीरीज गंवा दिय.

इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीतने का सूखा अब 15 साल तक पहुंच गया है और आलोचनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. एशेज सीरीज में महज 11 दिनों के अंदर हार झेलने पर इंग्लिश टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और हेड कोच ब्रैंडन मैक्कुलम आलोचकों के निशाने पर हैं. बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैक्कुलम के अंदर इंग्लिश टीम अब तक ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ एक भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है. जिस 'बैज़बॉल' रणनीति ने कमजोर टीमों के खिलाफ इंग्लैंड को सफलता दिलाई, वही दुनिया की शीर्ष दो टीमों के सामने पूरी तरह नाकाम साबित हुई. एशेज से पहले 'तैयारी की कमी' को लेकर पहले ही आलोचना झेल रही इंग्लैंड टीम पर अब दबाव और बढ़ गया है. इंग्लिश दिग्गज जेफ्री बॉयकॉट तो मैकुलम को हेड कोच पद से हटाने तक की मांग कर चुके हैं.

# सीमा पर घातक झड़पों के बाद संघर्षविराम वार्ता फिर से शुरू करेंगे थाईलैंड और कंबोडिया

**» बैंकॉक, भाषा।**

**थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया इस सप्ताह के अंत में अपनी सीमा पर अधिक स्थाई संघर्षविराम की दिशा में काम करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे। सिहासक फुआंगकेत्केओ ने साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि प्रगति विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता पर निर्भर करती है, ना कि विवाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने वाली सार्वजनिक घोषणाओं पर। उन्होंने सोमवार को कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि अक्टूबर में किया गया सशस्त्र संघर्ष समझौता जल्दबाजी में किया गया था ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके गवाह बन सकें। उन्होंने कहा कि उसमें सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने के लिए ऐसे पर्याप्त विवरण नहीं थे, जिससे यह समझौता टिकाऊ हो सके।**

सिहासक ने संकट को समाप्त करने के तरीके तलाशने के लिए आयोजित बैठक के बाद कहा कि हालांकि कंबोडिया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार है, लेकिन बैंकॉक को कभी कोई प्रत्यक्ष प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड का मानना है कि ऐसे बयान मुद्दे का समाधान करने के बजाय अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों वाली सामान्य सीमा समिति बुधवार को एक स्थाई संघर्षविराम की दिशा में विस्तृत उपायों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी। सिहासक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस बार, आइए विवरणों पर विस्तार से चर्चा करें और सुनिश्चित करें कि संघर्षविराम जमीनी स्थिति को प्रतिबिंबित करे और वास्तव में कायम रहे और दोनों पक्ष संघर्षविराम का पूरी तरह से सम्मान करेंगे। यह संघर्ष दो सप्ताह पहले घातक झड़पों में बदल गया था। दोनों देशों के बीच ताजा लड़ाई ने जुलाई में पांच दिन तक चले संघर्ष को खत्म करने वाले उस संघर्षविराम को पटरी से उतार दिया, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में मलेशिया ने मध्यस्थता करके कराया था। ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर थाईलैंड और कंबोडिया सहमत नहीं हुए तो वे व्यापारिक विशेषाधिकार रोक देंगे। ट्रंप की मौजूदगी में अक्टूबर में मलेशिया में आयोजित क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में संघर्षविराम को और अधिक विस्तार से औपचारिक रूप दिया गया। इन झड़पों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका के विदेश विभाग ने दोनों देशों से शत्रुता समाप्त करने, भारी हथियार हटाने और कुआलालंपुर शांति समझौतों को लागू करने की अपील की है। यह लड़ाई साझा सीमा पर विवादित क्षेत्रों को लेकर है। हालिया झड़पें आठ दिसंबर से शुरू हुईं, जिनमें हवाई हमले और रॉकेट दागे गए। एक सप्ताह में दोनों ओर कई लोगों की मौत हुई और पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, पिछले एक सप्ताह की लड़ाई में सीमा के दोनों तरफ 30 से अधिक लोग आधिकारिक तौर पर मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। अक्टूबर में हुए संघर्षविराम के तहत थाईलैंड को बंदी बनाए गए 18 कंबोडियाई सैनिकों को रिहा करना था और दोनों पक्षों को सीमा पर भारी हथियार और बारूदी सुरंगें हटानी थीं। लेकिन दोनों देशों के बीच तीखी दुष्प्रचार जंग जारी है, जिसमें सीमा पार मामूली हिंसा भी शामिल है। थाईलैंड के लिए बारूदी सुरंगों का विस्फोट एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। कंबोडिया द्वारा सीमा पर गश्त कर रहे सैनिकों को घायल करने वाली नई बारूदी सुरंगें बिछाने के आरोप के बाद थाईलैंड ने कई विरोध दर्ज कराए हैं। कंबोडिया का कहना है कि ये बारूदी सुरंगें उसके दशकों लंबे गृहयुद्ध की निशानी हैं, जो 1999 में समाप्त हुआ था। सिहासक ने सोमवार को कहा, ये स्पष्ट रूप से नई बिछाई गई बारूदी सुरंगें थीं, और इसकी पुष्टि आसियान पर्यवेक्षक दल ने भी की है। उन्होंने इसे अक्टूबर समझौते का स्पष्ट उल्लंघन बताया। थाईलैंड नौसेना ने रविवार को कहा कि अग्रिम मोर्चे पर तैनात उसके एक नौसैनिक को बारूदी सुरंग पर पैर रखने से उसके दाहिने पैर में गंभीर चोटें आईं। नौसेना ने कंबोडियाई गढ़ के रूप में वर्णित एक क्षेत्र को सुरक्षित करते समय बड़ी संख्या में परित्यक्त हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद करने का भी दावा किया। थाईलैंड के दावों पर कंबोडिया ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

## थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष पर चर्चा के लिए मलेशिया में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

**बैंकॉक, भाषा।** दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक विशेष बैठक की, जिसमें थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी सीमा संघर्ष पर चर्चा की गई। यह संघर्ष दो सप्ताह पहले घातक झड़पों में बदल गया था। यह इस वर्ष दूसरी बार है जब दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) ने अपने दो सदस्य देशों के बीच तनाव कम कराने का प्रयास किया है। दोनों देशों के बीच ताजा लड़ाई ने जुलाई में पांच दिन तक चले संघर्ष को खत्म करने वाले उस संघर्षविराम को पटरी से उतार दिया, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में मलेशिया ने मध्यस्थता कर कराया था। इन झड़पों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका ने दोनों देशों से शत्रुता समाप्त करने, भारी हथियार हटाने और कुआलालंपुर शांति समझौतों को लागू करने की अपील की है। यह लड़ाई साझा सीमा पर विवादित क्षेत्रों को लेकर है। हालिया झड़पें आठ दिसंबर से शुरू हुईं, जिनमें हवाई हमले और रॉकेट दागे गए। एक सप्ताह में दोनों ओर कई लोगों की मौत हुई और पांच लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। थाईलैंड ने सीमा पर नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया है जबकि कंबोडिया ने इन आरोपों से इनकार किया है।

### सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे

# मॉस्को में कार बम विस्फोट में एक रूसी जनरल की मौत, यूक्रेन पर शक

**» मॉस्को, भाषा।**

**दक्षिणी मॉस्को में सोमवार सुबह एक रूसी जनरल की कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में धमाका हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। यह एक साल में किसी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या का ऐसा तीसरा मामला है। रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी इंवेस्टीगेटिव कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा, जांचकर्ता इस हत्या के संबंध में कई संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं।**

इनमें से एक यह भी है कि इस अपराध की साजिश यूक्रेन की खुफिया सेवाओं द्वारा रची गई हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या की सूचना तुरंत दे दी गई है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी हिस्सा ले चुके थे। महज एक साल पहले सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव की भी उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम में विस्फोट होने से मौत हो गई थी। इस विस्फोट में उनके एक सहायक की भी मौत हो गई थी। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। इस संबंध में उज्बेकिस्तान के एक व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था और उस पर यूक्रेनी सुरक्षा सेवा की ओर से किरीलोव की हत्या का आरोप लगाया गया। पुतिन ने किरीलोव की हत्या को रूस की सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी चूक बताया था और कहा था कि उन्हें इससे सबक लेना चाहिए और अपनी कार्यप्रणाली में में सुधार करना चाहिए। अप्रैल में एक अन्य वरिष्ठ रूसी सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक भी मॉस्को के बाहर अपने अपार्टमेंट के पास खड़ी उनकी कार में लगाए गए विस्फोटकों के फटने से मारे गए थे। इस मामले में एक संदिग्ध आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया था। मॉस्को ने रूस में हुए कई बम धमाकों और अन्य हमलों के लिए भी यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है।

## रूस के साथ युद्ध खत्म करने पर यूक्रेन, यूरोप के साथ सार्थक बातचीत हुई : अमेरिका

**मियामी, भाषा।** अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है। उन्होंने कहा, हमारी साझा प्राथमिकता हत्याएं रोकना, सुरक्षा प्रदान करना और यूक्रेन के पुनर्निर्माण, स्थिरता एवं दीर्घकालिक समृद्धि के लिए परिस्थितियां तैयार करना है। शांति केवल संघर्षविराम नहीं, बल्कि एक स्थिर भविष्य की गरिमापूर्ण नींव होनी चाहिए। यह बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कई महीनों से जारी प्रयासों का हिस्सा है। हालांकि, इस कूटनीतिक पहल को मॉस्को और कीव की परस्पर विरोधी मांगों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल में यूक्रेन को लेकर अपनी अधिकतम मांगों पर अड़े रहने के संकेत दिए हैं और भारी नुकसान के बावजूद रूसी सेना युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ रही है। इसी बीच रूस के साथ भी बातचीत जारी है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के एक दूत किरिल दिमित्रिएव ने शनिवार को कहा कि फ्लोरिडा में बातचीत रचनात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को टेलीग्राम पर लिखा कि कूटनीतिक प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और फ्लोरिडा में उनकी टीम अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रही है। बहरहाल, क्रेमलिन ने यूक्रेन, रूस और अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय वार्ता की संभावना से रविवार को इनकार किया।

## न्यूज ब्रीफ

### जापान का नया प्रमुख एच3 रॉकेट भू-स्थानिक उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा

**» तोक्यो, भाषा।**

**जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि नौवहन उपग्रह ले जाने वाला उसका एच3 रॉकेट पेलोड को नियोजित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा, जो देश के नए प्रमुख रॉकेट और उसके अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम के लिए एक झटका है। नेविगेशनल उपग्रह वह कृत्रिम उपग्रह होते हैं, जो पृथ्वी पर किसी स्थान की सटीक स्थिति, दिशा और समय की जानकारी देने में मदद करते हैं। सोमवार की विफलता जापान के नए प्रमुख रॉकेट के लिए दूसरी विफलता है, इससे पहले 2023 में इसकी पहली उड़ान असफल रही थी। पहली विफलता के बाद इसने छह सफल उड़ानें भरी थीं। जापान एरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) ने कहा कि मिचिबिकी 5 उपग्रह को ले जाने वाला एच3 रॉकेट सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी जापानी द्वीप पर स्थित तानेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुआ, जो जापान की अपनी अधिक सटीक स्थान निर्धारण प्रणाली विकसित करने की योजना का हिस्सा है।**

जेएएक्सए के कार्यकारी और प्रक्षेपण निदेशक मासाशी ओकाडा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रॉकेट के दूसरे चरण के इंजन ने अप्रत्याशित रूप से समय से पहले ऊर्जा उत्पादन (इंजन बर्न) बंद कर दिया और परिणामस्वरूप उपग्रह का रॉकेट से अलग होना सुनिश्चित नहीं हो सका। रॉकेट का इंजन बर्न वह प्रक्रिया होती है, जिसमें रॉकेट का इंजन ईंधन को जलाकर (दहन करके) तेज शक्ति पैदा करता है, ओकाडा ने कहा कि उपग्रह को अंतरिक्ष में छोड़ा गया था या वह कहां जाकर रुका, यह अज्ञात है और जेएएक्सए कारण और अन्य विवरणों का पता लगाने के लिए आंकड़ों की जांच कर रही है।

### अदालत ने सजा का शेष भाग नजरबंद रहकर काटने की पूर्व प्रधानमंत्री की याचिका खारिज की

**» कुआलालंपुर, भाषा।**

**मलेशिया की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रज्जाक को दी गई सजा का शेष हिस्सा नजरबंद रहकर काटने की उनकी याचिका सोमवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि देश के पूर्व राजा द्वारा जारी किया गया दुर्लभ शाही आदेश वैध नहीं है और इसे संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप जारी नहीं किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री नजीब (72) सजा की शेष अवधि जेल में ही काटेंगे, जो अगस्त 2028 में समाप्त होनी है। इससे पहले उन्हें दी गई 12 साल की सजा को क्षमादान बोर्ड ने पिछले साल आधा कर दिया था। नजीब अरबों डॉलर के एमबीडी (मलेशिया डेवलपमेंट बरहाद) राजकीय कोष की लूट से जुड़े मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सजा काट रहे हैं।**

इस मामले के कारण 2018 में उनकी सरकार गिर गई थी। नजीब को सत्ता के दुरुपयोग, आपराधिक विश्वासघात और धनशोधन के मामलों में 2020 में 12 साल जेल की सजा सुनाई गई थी, जिनमें।एमडीबी की पूर्व इकाई एसआरसी इंटरनेशनल से उनके बैंक खातों में 4.2 करोड़ रिंगित (1.03 करोड़ डॉलर) भेजे जाने का मामला शामिल था। उन्होंने अप्रैल 2024 में एक याचिका दायर कर कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि तत्कालीन राजा सुल्तान अब्दुल्ला सुल्तान अहमद शाह ने एक आदेश जारी किया है जिसमें उन्हें सजा का शेष हिस्सा नजरबंद रहकर पूरा करने की अनुमति दी गई है। नजीब ने दावा किया कि यह आदेश जनवरी 2024 में क्षमादान बोर्ड की बैठक के दौरान जारी किया गया था और इसी बैठक में उनकी सजा घटाई गई थी एवं जुर्माने में भारी कटौती की गई थी।

### पाकिस्तान में जांच चौकी पर हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत और दो अन्य घायल

**» पेशावर, भाषा।**

**पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक जांच चौकी पर अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि यह हमला रविवार को हुआ। खैबर पख्तूनख्वा के हांगू जिले में सिटी पुलिस थाने की सीमा के भीतर स्थित काजी तालाब जांच चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की।**

पुलिस के मुताबिक, कांस्टेबल अली रजा की हमले में गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौत हो गई। हमले में घायल हुए अन्य दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के तुरंत बाद पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस एवं सशस्त्र हमलावरों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

## स्टारलिंक : रूस कैसे एलन मस्क के अंतरिक्ष वर्चस्व पर हमला कर सकता है

**» मॉस्को, भाषा।**

**नाटो के दो देशों की खुफिया एजेंसियों को संदेह है कि रूस एलन मस्क के स्टारलिंक उपग्रह समूह को परिक्रमा करने वाले विनाशकारी छर्रों के बादलों से निशाना बनाने के लिए एक नया उपग्रह-रोधी हथियार विकसित कर रहा है। उनका कहना है कि इसका उद्देश्य यूक्रेन को युद्ध के मैदान में मदद करने वाले पश्चिमी अंतरिक्ष वर्चस्व को कमतर करना है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखे गए खुफिया निष्कर्षों के अनुसार, तथाकथित जोन-प्रभाव हथियार का उद्देश्य स्टारलिंक कक्षाओं को सैकड़ों हजारों उच्च-घनत्व वाले छर्रों से भरना होगा। इससे एकसाथ कई उपग्रह संभावित रूप से निष्क्रिय हो जाएंगे, लेकिन अन्य परिक्रमा प्रणालियों को भी क्षति का खतरा होगा।**

जिन विश्लेषकों ने निष्कर्ष नहीं देखे हैं, उनका कहना है कि उन्हें संदेह है कि ऐसा हथियार अंतरिक्ष में अनियंत्रित अराजकता उत्पन्न किए बिना काम कर सकता है। खासकर उन कंपनियों तथा रूस और उसके सहयोगी चीन सहित देशों के लिए, जो संचार, रक्षा और अन्य महत्वपूर्ण जरूरतों के लिए हजारों परिक्रमा करने वाले उपग्रहों पर निर्भर हैं। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे गंभीर परिणाम, जिनमें खुद मॉस्को की अंतरिक्ष प्रणालियों को भी खतरा शामिल है, उसे इस तरह के हथियार को तैनात करने या इस्तेमाल करने से रोक सकते हैं। कोलोराडो स्थित गैर-सरकारी संगठन सिक्योर वर्ल्ड फाउंडेशन की अंतरिक्ष सुरक्षा विशेषज्ञ विक्टोरिया सैमसन ने कहा, मुझे इस पर बिल्कुल भी यकीन नहीं है। सच कहूं तो, अगर वे ऐसा कुछ करते हैं, तो मुझे बहुत आश्चर्य होगा। सैमसन उपग्रह-रोधी प्रणालियों पर वार्षिक अध्ययन का नेतृत्व करती हैं। हालांकि, कनाडाई सेना के स्पेस डिवीजन के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल क्रिस्टोफर हॉर्नर ने कहा कि रूस द्वारा इस तरह की गतिविधियों की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने यह बात अमेरिका द्वारा पहले लगाए गए उन आरोपों के संदर्भ में कही, जिनमें दावा किया गया था कि रूस एक अंधाधुंध प्रभाव वाले परमाणु, अंतरिक्ष-आधारित हथियार पर भी काम कर रहा है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस मामले पर टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेशों का कोई जवाब नहीं दिया। रूस ने पूर्व में संयुक्त राष्ट्र से अंतरिक्ष में हथियारों की कक्षीय तैनाती रोकने के लिए प्रयास करने की अपील की है और देश के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि मॉस्को का परमाणु अंतरिक्ष हथियार तैनात करने का कोई इरादा नहीं है। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने ई-मेल के जरिए भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। वहीं, फ्रांसीसी सेना के स्पेस कमान ने एपी को दिए गए एक बयान में कहा कि वह इन निष्कर्षों पर टिप्पणी नहीं कर सकता, लेकिन यह जरूर कहा, हम आपको यह जानकारी दे सकते हैं कि रूस ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष में गैर-जिम्मेदाराना, खतरनाक और यहां तक कि शत्रुतापूर्ण कार्वाइयों को बढ़ावा दिया है।

## जयशंकर प्रधानमंत्री मोदी के विशेष दूत के रूप में आज श्रीलंका पहुंचेंगे

**कोलंबो, भाषा।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में मंगलवार को श्रीलंका पहुंचेंगे और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। उच्चायोग ने कहा कि उनकी यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को रेखांकित करती है और यह सागर बंधु अभियान के संदर्भ में हो रही है, जिसे पिछले महीने चक्रवात दित्वा से हुई तबाही से निपटने के लिए शुरू किया गया था। चक्रवात से हुई तबाही के बाद श्रीलंका द्वारा की गई अंतरराष्ट्रीय सहायता अपील पर प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश भारत था। भारत के सागर बंधु अभियान ने व्यापक स्तर पर राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की।

## बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को सिर में गोली मारी गई

**» ढाका, भाषा।**

**बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने 2004 के छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई। मितु पेशे से चिकित्सक हैं। उन्होंने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया।**

समाचार पत्र कालेर कंठ ने अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई और जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो बहुत अधिक खून बह रहा था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद ही प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता की बृहस्पतिवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हादी पर हमले और उसके बाद हुई उसकी मौत को लेकर ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसा फिर से भड़क उठी। पुलिस ने फैजल करीम मसूद के माता-पिता, पत्नी और मुख्य संदिग्ध की एक महिला मित्र को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन उसका कहना है कि वे उसके वर्तमान ठिकाने के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। सोमवार को खुलना शहर के माजिद सारणी इलाके में सिकदर पर हुए गुप्त हमले के बाद, पुलिस ने कहा कि वे अभी तक हमले के अपराधियों या मकसद के बारे में अनजान हैं, लेकिन उनकी गिरफ्तारी के लिए तत्काल तलाश अभियान शुरू कर दिया है। हालांकि, स्थानीय पुलिस थाने के प्रमुख अनिमेष मंडल ने पत्रकारों को बताया कि खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (केएमसीएच) के अधिकारियों ने सिकदर को चोट की स्थिति का सटीक आकलन करने के लिए अपने सिटी इमेजिंग सेंटर में स्थानांतरित कर दिया है।

## इंडोनेशिया में बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम सोलह लोगों की मौत

**जकार्ता, भाषा।** इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई। उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी सेंट्रल जावा के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोलवे पर एक घुमावदार मार्ग पर वह पलट गई। बुडियोनो ने कहा, हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री उछलकर गिर पड़े और बस में फंस गए। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि 10 अन्य लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पास के दो अस्पतालों में इलाज करा रहे 18 पीड़ितों की हालत गंभीर है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में पीले रंग की एक बस पलटी नजर आ रही है जिसके आसपास राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के कर्मी, पुलिस और राहगीर खड़े दिख रहे हैं। वीडियो में एंबुलेंस हादसे की जगह से घायलों और मृतकों को ले जाती नजर आ रही हैं सेंट्रल जावा के पुलिस प्रमुख रिबुत हरि विबोवो के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। उन्होंने बताया कि बस चालक को गंभीर चोटें आई है लेकिन उपचार के दौरान वह बात कर पा रहा था।

### फील्ड मार्शल मुनीर ने इस सम्मान के लिए खादिम-अल-हरमैन-उल-शरीफैन एवं सऊदी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया

# पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित

**» इस्लामाबाद, भाषा।**

**पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर को सऊदी अरब के सर्वोच्च नागरिक सम्मान किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया है। मुनीर सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। सेना ने सोमवार को कहा, खादिम-अल-हरमैन-उल-शरीफैन शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद द्वारा जारी शाही आदेश के तहत फील्ड मार्शल को किंग अब्दुलअजीज मेडल ऑफ एक्सीलेंस क्लास से सम्मानित किया गया है जो सऊदी अरब का सर्वोच्च राष्ट्रीय नागरिक सम्मान है।**

उसने कहा कि सऊदी नेतृत्व ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की पेशेवर दक्षता एवं रणनीतिक दृष्टिकोण की सराहना की तथा दोनों देशों के बीच पुराने भाईचारे को और मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। फील्ड मार्शल मुनीर ने इस सम्मान के लिए खादिम-अल-हरमैन-उल-शरीफैन एवं सऊदी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे पाकिस्तान एवं सऊदी अरब के बीच अटूट संबंधों का प्रतीक बताया। उन्होंने सऊदी अरब की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया। मुनीर ने सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री शहजादे खालिद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सौद से भी मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, सैन्य सहयोग, रणनीतिक सहयोग और उभरती भू-राजनीतिक चुनौतियों सहित पारस्परिक हित के मामलों पर चर्चा की।

## पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अलग-अलग अभियानों में नौ आतंकवादी मारे गए

**पेशावर, भाषा।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों के दो अलग-अलग अभियानों में नौ आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, 19 दिसंबर 2025 को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में फितना अल-ख्वारिज से जुड़े नौ ख्वारिज मारे गए। पाकिस्तान फितना-अल-ख्वारिज शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करता है। आईएसपीआर ने बताया कि खुफिया सूचना पर आधारित पहला अभियान प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में चलाया गया जिसमें चार आतंकवादी मारे गए। उसने बताया कि दूसरा अभियान बन्नू जिले में चलाया गया जहां सुरक्षा बलों ने पांच और आतंकवादियों को मार गिराया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886